नवसर्जन संस्कृति

PRGI No. UPHIN/25/A1698

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 053
दि. 22.06.2026,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

झांसी में सीएम के तेवर देख अलीगढ़ के अफसरों में खलबली, आरएमपीएसयू का जायजा लेंगे योगी

(जीएनएस)।

अलीगढ़ , मुख्यमंत्री योगी अपने ड्रीम प्रोजेक्ट राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय का निरीक्षण करेंगे। वह परिसर में रहकर इमारतों व अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लेंगे। मुख्यमंत्री का यह दौरा इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों में पहले दीवारों में दरारें और अन्य तकनीकी खामियां सामने आ चुकी थीं।

झांसी में 20 जून को मुख्यमंत्री ने अलीगढ़ के प्रशासनिक गलियारों और राजनीतिक हलकों में खलबली मचा दी है। शनिवार को झांसी में विकसित भारत संकल्प सम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग के अफसरों की जमकर क्लास ली। इसे देखते हुए अलीगढ़ के अधिकारी और भाजपा नेता तुरंत अलर्ट हो गए। उनकी नजरें पूरे दिन झांसी पर टिकी रहीं।

अलीगढ़ के स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी अपने झांसी के संपर्कों से लगातार फोन पर फीडबैक जुटा रहे हैं। अधिकारी यह जानने में जुटे हैं मुख्यमंत्री समीक्षा बैठक में किस विभाग से क्या सवाल पूछ रहे हैं। विकास कार्यों को परखने के लिए उनकी प्राथमिकता वाले बिंदु क्या हैं। किस तरह की लापरवाही पर वह सबसे ज्यादा नाराज हो रहे हैं। अफसरों का पूरा जोर इस बात पर है कि सीएम योगी के अलीगढ़ आगमन से पहले उन सभी कमियों को दूर कर लिया जाए, जिन पर झांसी में गाज गिरी है।

सिर्फ अधिकारी ही नहीं, बल्कि अलीगढ़ के संगठन से जुड़े भाजपा पदाधिकारी और मौजूदा जनप्रतिनिधि भी झांसी की हर हलचल पर पैनी नजर रखे हुए हैं। आगामी विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए नेता यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि मुख्यमंत्री जनप्रतिनिधियों के कामकाज को किस पैमाने पर परख रहे हैं। संगठन के लोग और मौजूदा नेता झांसी में मौजूद अपने करीबियों के जरिए यह पता लगा रहे हैं कि जमीनी पकड़ और जनता के बीच छवि को लेकर सीएम का मानक क्या है, ताकि अलीगढ़ दौरे के दौरान वे खुद को बेहतर साबित कर सकें।

अपने ड्रीम प्रोजेक्ट आरएमपीयू की हर इमारत का जायजा लेंगे सीएम

मुख्यमंत्री योगी सोमवार को अपने ड्रीम प्रोजेक्ट राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय (आरएमपीयू) का निरीक्षण करेंगे। वह डेढ़ बजे से दो बजे तक परिसर में रहकर

इमारतों व अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लेंगे। मुख्यमंत्री का यह दौरा इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों में पहले दीवारों में दरारें और अन्य तकनीकी खामियां सामने आ चुकी थीं। इन मामलों के बाद शासन स्तर पर निर्माण गुणवत्ता पर विशेष निगरानी रखी गई थी। विवि के कुलसचिव प्रबुद्ध सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर तैयारियां चल रही हैं।

कई बार उठे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल

जून 2022 में विवि की बिल्डिंग के निर्माण में लखनऊ की तकनीकी टीम ने गड़बड़ी का खुलासा किया है। बिल्डिंग का लेबल हाईवे से नीचा है। इसे हाईवे से ऊंचा करने का सुझाव दिया था। इस पर करीब पांच करोड़ रुपये अतिरिक्त खर्च होने का अनुमान है।

यह रिपोर्ट राज्यपाल और मुख्यमंत्री कार्यालय को भेजी गई थी। अप्रैल 2025 में विवि की दीवारों और लैब में दरारें आने की खबरें छपी थीं। छात्र नेताओं ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल उठाए थे। मई 2025 निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर अब प्रशासन सख्त हो गया है। सीडीओ प्रखर कुमार सिंह ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की जांच के लिए एक समिति का गठन कर दिया था।

वर्ष 2019 में इगलास विधानसभा के उपचुनाव में मुख्यमंत्री योगी ने आरएमपीयू की घोषणा की थी

14 सितंबर 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रखी थी आरएमपीयू की नींव, 100 एकड़ क्षेत्र में 101.41 करोड़ रुपये से विश्वविद्यालय का निर्माण हुआ, विवि से अलीगढ़, हाथरस, कासगंज और एटा के 383 कॉलेज से संबद्ध

यूपी में बनी ब्रह्मोस ने पाकिस्तान का वो हाल किया... महोबा में बोले सीएम योगी, 697 करोड़ की दी सौगात

मुख्यमंत्री हमीरपुर को कुल 636 करोड़ 82 लाख रुपये की 75 विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे. इनमें 225 करोड़ 8 लाख रुपये की 34 परियोजनाओं का लोकार्पण और 411 करोड़ 73 लाख रुपये की 41 परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है.

(जीएनएस)।

महोबाः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महोबा दौरे पर रहे. इस दौरान उन्होंने 697 करोड़ रुपये की सौगात दी. कई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया. इस दौरान उन्होंने जनसभा को संबोधित किया. सीएम योगी ने कहा कि महोबा, हमीरपुर में संभावनाओं को विकसित करना चाहिए. यहां मेडिकल कॉलेज बने. आल्हा ऊदल की लोकगाथाओं को वैश्विक मान्यता मिला. आने वाले समय में विकास की बुलंदियों को छूता हुआ दिखाई दें. फिर से हमें लोक परंपराओं को जोड़कर आगे बढ़ना चाहिए. वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट को विश्व स्तर पर आगे बढ़ाना है. बुन्देलखण्ड के कुटीर उद्योग को आगे बढ़ाना होगा. महोबा, हमीरपुर, चित्रकूट में कनेक्टिविटी को आगे बढ़ाने का कार्य हो रहा है. माफिया को मिट्टी मिलाकर एक्सप्रेस से जोड़ने का काम किया.

सीएम योगी ने पर्यटन को बढ़ाने पर दिया जोर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पर्यटन के एक नए स्थल के रूप में महोबा में अब गोरखगिरि मंदिर आपके पास है. एडवेंचर टूरिज्म के तौर पर गोरखगिरि को विकसित करेंगें. महोबा ऊर्जा की भूमि है. ग्रेनाइट पत्थर से सिर्फ भवन नहीं बनते इसका राष्ट्र निर्माण में बहुत योगदान है. ये आल्हा ऊदल की भूमि है. महोबा के पान को हमारी सरकार ने जिओ टैग के सतह वैश्विक मान्यता दिलाई है. पिछली सरकार ने बुंदेलखंड के सामने पहचान का संकट खड़ा किया. खनन माफिया और भूमाफिया बुंदेलखंड में हावी थे. हमारी सरकार ने हर घर नल को प्रभावी तरीके से बुंदेलखंड में लागू किया है. उत्तर प्रदेश में बनी ब्रम्होस ने पाकिस्तान का वो हाल किया ऑपरेशन सिंदूर में कि पाकिस्तान पानी मांग रहा था.

जो लोग कब्जा करते हैं, उनकी आत्मा मलिन- सीएम योगी

जो लोग कब्जा करते है, उनकी आत्मा मलिन है क्युकी उनकी बुद्धि मलिन है. ये लोग बीमार मानसिकता के साथ काम करते थे. इसलिए इन लोगों ने प्रदेश को डूबा दिया था. हमारे बुंदेलखंड को बदनाम किया था. हमने अर्जुन सहायक योजना पूरी की और आज महोबा और बांदा को सिंचाई की सुविधा प्राप्त हुई और किसानों की जमीन के दाम बढ़े. उनको सम्मान दिलाया हमने.

'पिछली सरकारों ने वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया दिया, हमने...' झांसी में गरजे सीएम योगी

सीएम योगी ने कहा कि मुझे आज बताते हुए प्रसन्नता है माफिया को हमारी सरकार ने जो संकल्प लिया था माफिया को मिट्टी में मिलाकर के बुंदेलखंड को एक्सप्रेस वे के साथ जोड़ने का काम भी किया गया है. अब बुंदेलखंड में तोप बन रही हैं. डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर, अब यहां का जवान ही देश की सेना में भर्ती होकर के सेवा नहीं करता. बल्कि बुंदेलखंड में बनने वाली तोप से, बुंदेलखंड में बनने वाली बंदूक से दुश्मन थरथरा उठ पड़ता है. याद करिए उत्तर प्रदेश के डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर में जो ब्रह्मोस मिसाइल बनी. ऑपरेशन सिंदूर में जिस दिन ब्रह्मोस मिसाइल दगी थी. पाकिस्तान हाय तौबा हाय तौबा करते हुए दुनिया के अंदर माफी मांगता हुआ घूम रहा था.

डान अब्दुल लतीफ का शूटर तस्लीम अरेस्ट, 9 लोगों समेत एमपी की हत्या, 7 साल पुलिस को नचाया-दाउद से लिंक?

गुजरात पुलिस ने 21 जून 2026 को एक बड़ी सफलता हासिल की। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने 1992 के राधिका जिमखाना हत्याकांड और पूर्व राज्यसभा सांसद रऊफ वलीउल्लाह हत्याकांड के दोषी मोहम्मद तस्लीम उर्फ मोहम्मद तस्लीम मोहम्मद उमर शेख को राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया। यह शख्स अब्दुल लतीफ गैंग का भरोसेमंद शार्पशूटर था, जो 2019 में साबरमती सेंट्रल जेल से अस्थायी पैरोल पर छूटने के बाद फरार हो गया था। सात साल तक पहचान बदलकर छिपे रहने के बावजूद पुलिस की जॉइंट टीम ने उसे पकड़ लिया।

झांसी को सीएम योगी की सौगात, सर्किट हाउस में 5 वीवीआईपी सुइट और 10 बेड की डॉरमेट्री का किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने झांसी प्रवास के दौरान सर्किट हाउस में 5 वीवीआईपी सुइट और 10 बेड की डॉरमेट्री का उद्घाटन किया।

सीएम ने विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया।

(जीएनएस)। झांसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ झांसी प्रवास के दौरान शनिवार शाम सर्किट हाउस पहुंचे। उन्होंने यहां बटन दबाकर 5 सुइट व 10 बेड की डॉरमेट्री का शुभारंभ किया।

सर्किट हाउस में 5 सुइट की सुविधा वीवीआईपी/वीआईपी अतिथियों तथा 10 बेड की डॉरमेट्री की सुविधा कर्मचारियों के लिए की गई है। इसके बाद मुख्यमंत्री ने सर्किट हाउस का स्थलीय निरीक्षण कर अधिकारियों से विकास कार्यों को लेकर प्रगति जानी। सर्किट हाउस

पहुंचने पर जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इस दौरान विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह, महापौर बिहारी लाल आर्य, विधायक राजीव सिंह, रवि शर्मा, उत्तर प्रदेश गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता आदि मौजूद रहे।

नेवी में कमीशन हुए स्वदेशी युद्धपोत डूनागिरी, संशोधक और अग्रय, पीएम मोदी बोले- ये भारत के 3 महत्वपूर्ण संकल्पों के प्रतीक

(जीएनएस)।

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल के कोलकाता में श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह पर तीन स्वदेश निर्मित नौसैनिक जहाजों को राष्ट्र को समर्पित किया। इनमें एक गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट डूनागिरी, दूसरा एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट अग्रह और तीसरा सर्वे वेसेल लार्ज संशोधक है।

कमीशनिंग से पहले नौसेना ने यूट्यूब पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में डुनागिरी को एक शक्तिशाली और उन्नत युद्धपोत बताया। वीडियो में कहा गया, "परिशुद्धता। शक्ति। चपलता। अत्याधुनिक हथियार और सेंसर सूट से भरपूर, लंबे समुद्री पैरों के लिए इंजीनियर, निरंतर संचालन और स्वदेशी स्टील्थ तकनीक से लैस दूनागिरी को बहु-आयामी प्रभुत्व और घातकता के लिए बनाया गया है। डूनागिरीः निर्णायक निडर प्रभुत्व।"

पीएम मोदी ने रक्षा में

आत्मनिर्भरता के लिए भारत के जोर को रेखांकित करते हुए कहा कि देश अब केवल एक खरीदार नहीं रह सकता है और इसकी सशस्त्र सेना दुनिया के लिए बाजार नहीं बन सकती है।

उन्होंने कहा, "ये तीन जहाज भारत के तीन महत्वपूर्ण संकल्पों का भी प्रतीक हैं। इनका निर्माण भारत में हुआ, भारत में डिजाइन हुआ। ये भारतीय उद्योगों की प्रतिभा, भारतीय इंजीनियरों के कौशल और भारतीय श्रमिकों की कड़ी मेहनत का परिणाम हैं और यही नए भारत की सबसे बड़ी ताकत है।"

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "आज दुनिया का अधिकांश व्यापार समुद्री मार्गों से ही होता है। दुनिया को जोड़ने वाले डेटा के विशाल नेटवर्क समुद्र के नीचे से ही गुजरते हैं जिस देश का समुद्री सामर्थ्य मजबूत होगा उस देश का आर्थिक और रणनीतिक प्रभाव भी उतना मजबूत होगा। भारत इस वास्तविकता को अच्छी तरह से समझता है। आज कठर अग्रय, कठर डूनागिरी और कठर संशोधक इस यात्रा को नई गति दे रहे हैं। ये तीनों भारत के 3 महत्वपूर्ण संकल्पों के प्रतीक हैं। इनका निर्माण और डिजाइन भारत में ही हुआ है।"

'सिर्फ खरीदार बनकर नहीं रहना चाहता भारत'

प्रधानमंत्री ने आगे कहा, "आज भारत रक्षा क्षेत्र में सिर्फ खरीददार बनकर नहीं रहना चाहता। हमारी सैन्य शक्ति दुनिया के लिए बाजार नहीं बन सकती। हमारी ताकत की परिभाषा दुनिया का बाजार बनने में नहीं है।

लोगों के साथ किए योगासन, मुद्राएं ठीक करने में की मदद, पीएम मोदी ने कोलकाता में मनाया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कोलकाता के रेड रोड पर हजारों लोगों के साथ योगाभ्यास किया। सफेद टी-शर्ट और सफेद पैंट पहने प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर लोगों के साथ योगासन किए।

(जीएनएस)।

कोलकाताः अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर कोलकाता में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का समापन हो चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस कार्यक्रम के जरिए योग दिवस पर देश का नेतृत्व किया। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए कोलकाता के नागरिकों का आभार भी व्यक्त किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कार्यक्रम की कुछ तस्वीरें शेयर कीं। उन्होंने पोस्ट में लिखा कि आज सुबह कोलकाता के रेड रोड पर योग दिवस का एक शानदार कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें हर वर्ग के लोगों ने हिस्सा लिया और सभी के जीवन में योग के महत्व का एक अहम संदेश दिया। इस बार कार्यक्रम की थीम 'स्वस्थ आयु के लिए योग' थी, जिसमें हर उम्र में फिट और स्वस्थ रहने के लिए योग के महत्व पर जोर दिया गया।

उन्होंने एक अन्य पोस्ट में लिखा कि मैं इस साल के योग दिवस कार्यक्रम के लिए इतने शानदार मेजबान बनने पर कोलकाता के अपने भाइयों और बहनों का आभार व्यक्त करना चाहता हूं। इस जीवंत शहर में इसे मनाना सम्मान की बात है। योग दिवस से पहले पूरे शहर में स्वच्छता अभियान चलाए गए, जो बहुत प्रेरणादायक भी थे। कोलकाता के लोगों ने एक नागरिक के तौर पर अपने कर्तव्यों का पालन करने का एक बड़ा संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि पूरा देश, पूरा विश्व एक दूसरे से जुड़ा हुआ नजर आ रहा है और यही योग की ताकत है। योग सबको जोड़ता है, योग सबको साथ लाता है। मैं इस अवसर पर पूरे विश्व को, संपूर्ण मानव समुदाय को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कोलकाता के रेड रोड पर हजारों लोगों के साथ योगाभ्यास किया। सफेद टी-शर्ट और सफेद पैंट पहने प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर लोगों के साथ योगासन किए।

एमपी के मंदिरों में अब ऑनलाइन और क्यूआर कोड से दान, अयोध्या विवाद के बाद 'पारदर्शी प्रबंधन मॉडल' ला रही सरकार

(जीएनएस)।

खंडवा । अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर में दान राशि को लेकर उठे विवाद के बीच मध्य प्रदेश सरकार प्रदेश के प्रमुख मंदिरों की दान और प्रबंधन व्यवस्था को अधिक पारदर्शी बनाने की तैयारी कर रही है। देश के प्रतिष्ठित मंदिरों की व्यवस्थाओं का अध्ययन कर नया मॉडल तैयार किया जाएगा, जिसे महाकाल एवं ओंकारेश्वर सहित प्रदेश के प्रमुख मंदिरों में लागू किया जाएगा।

ओंकारेश्वर प्रवास पर पहुंचे धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व, संस्कृति तथा पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने बताया कि श्रद्धालुओं के दान और चढ़ावे के पारदर्शी प्रबंधन को सरकार सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। इसके लिए विशेषज्ञ समिति गठित की जाएगी, जो देश के प्रमुख मंदिरों की व्यवस्थाओं का अध्ययन कर कार्ययोजना तैयार करेगी। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं के विश्वास और आस्था की रक्षा सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

मौजूदा व्यवस्था ओंकारेश्वर दान पेटियां प्रशासन और मंदिर समिति की मौजूदगी में तय दिनों पर खोली जाती हैं। पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी होती है। शीघ्र दर्शन से प्राप्त राशि पूरी तरह ऑनलाइन जमा होती है। दान राशि के उपयोग और गणना पर सतत निगरानी रखी जाती है।

महाकाल मंदिर नकद, ऑनलाइन और क्यूआर कोड से दान की व्यवस्था है। भेंट पेटियों की राशि पारदर्शी कांच कक्ष में सीसीटीवी निगरानी के बीच गिनी जाती है। बैंक कर्मचारी राशि सीधे मंदिर खाते में जमा करते हैं। दान राशि से श्रद्धालु सुविधाएं, निर्माण कार्य और सेवा प्रकल्प संचालित होते हैं। आय-व्यय की पारदर्शिता बढ़ाने के लिए अलग-अलग प्रकल्पों की पृथक लेखा व्यवस्था विकसित की जा रही है।

पारदर्शिता के प्रमुख उपाय : दान पेटियों की निगरानी वीडियोग्राफी और सीसीटीवी रिकार्डिंग, ऑनलाइन दान और क्यूआर कोड व्यवस्था, बैंक के माध्यम से राशि जमा, आय-व्यय का पृथक लेखा-जोखा, प्रशासनिक निगरानी में गणना प्रक्रिया।

तमिलनाडु फैक्ट्री में गैस लीक से 7 मौत, 65 से ज्यादा बीमार, कैसे हुआ हादसा?

तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले से रविवार (21 जून) को एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई। एक सीफूड एक्सपोर्ट फैक्ट्री में अचानक अमोनिया गैस के लीक होने से अफरा-तफरी मच गई। हादसे में 7

महिला कर्मचारियों की मौत हो गई, जबकि 65 से ज्यादा लोग बीमार पड़ गए।

इनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रशासन और राहत एजेंसियों ने मौके पर पहुंचकर बचाव अभियान शुरू किया, लेकिन इस घटना ने फैक्ट्री सुरक्षा व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

नवसर्जन संस्कृति
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2063

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
नवसर्जन संस्कृति हिंदी चेनल देखिये

सीएम योगी आदित्यनाथ के समर्थन में उतरे शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद; अयोध्या मामले पर कहा, बहुत अच्छा

(जीएनएस)।

शामलीः उत्तर प्रदेश के शामली में ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने अब सीएम योगी आदित्यनाथ का समर्थन किया है। दरअसल, पिछले दिनों लगातार वे मुख्यमंत्री योगी के खिलाफ बयान देते हैं। गोरक्षा के लिए लगातार यात्रा निकाल रहे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती शामली पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान अयोध्या राम मंदिर दान प्रकरण मामले में सीएम योगी आदित्यनाथ के रुख का समर्थन किया। अयोध्या दान प्रकरण का मामला सामने आने के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ पिछले दिनों अयोध्या दौरे पर गए थे। इस दौरान उन्होंने अपने मंच से श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को अलग रखने का निर्णय लिया।

दरअसल, राम मंदिर दान गबन प्रकरण विवाद में चंपत राय पर आरोप लग रहे हैं। ट्रस्ट के अनुरोध पर योगी सरकार ने पूरे विवाद की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है। तीन

सदस्यीय एसआईटी लगातार मामले की जांच कर रही है। इस बीच सीएम योगी आदित्यनाथ ने अपने अयोध्या दौरे के दौरान चंपत राय को मंच से अलग रखा तो स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती इसका समर्थन करते नजर आए। उन्होंने इसे एक अच्छा कदम करार दिया है।

शामली में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि मुख्यमंत्री ने अयोध्या दौरे के दौरान चंपत राय को अपनी मीटिंग और अपने पास से दूर रखने का जो निर्णय लिया, वह बहुत अच्छा कदम है। हम इसके खुले दिल से प्रशंसा करते हैं। उन्होंने कहा कि जिस समय किसी व्यक्ति के ऊपर गड़बड़ी के दाग लगे हों, उस समय उसे अपने पास बैठाने का मतलब समाज में अलग जाता है। शंकराचार्य ने कहा कि सीएम योगी ने कम से कम इतना स्टैंड लिया, यह देखकर अच्छा लगा।

दान विवाद पर भड़के

शंकराचार्य राम मंदिर दान गबन विवाद पर नाराजगी जताते हुए दिखे। उन्होंने कहा कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट और राम मंदिर निर्माण समिति की ओर से घोटाले के आरोपों से इनकार किया जा रहा है। शंकराचार्य ने इस मामले पर तीखे सवाल किए। उन्होंने कहा कि अगर कोई गड़बड़ी नहीं हुई तो डीएम के जरिए एक संदेश क्यों दिलवाया जा रहा है कि संबंधित लोग बैठक में नहीं आएंगे। उनकी जगह प्रतिनिधियों को बैठक में भेजा रहा है।

सबूत मांगे जाने के मुद्दे पर शंकराचार्य ने सवाल किया कि गोबर से रुपये निकलना क्या सबूत नहीं है? मामले से जुड़े लोग पकड़े जा रहे हैं, क्या यह सबूत नहीं है। महीनों के सीसीटीवी फुटेज डिलिट हैं, क्या यह सबूत नहीं है। भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वालों को नौकरी से निकाल दिया जाता है, अगर यह सबूत नहीं है तो फिर कौन सा सबूत होगा।

लखनऊ के गोमती तट पर मना योग दिवस, 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के अवसर पर राज्य स्वच्छ गंगा मिशन-उत्तर प्रदेश एवं जिला गंगा समिति, लखनऊ द्वारा गौ घाट, गोमती नदी तट पर भव्य योग कार्यक्रम, वृक्षारोपण अभियान एवं युवा गोमती मित्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गया

(जीएनएस)।

लखनऊः अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के अवसर पर राज्य स्वच्छ गंगा मिशन-उत्तर प्रदेश एवं जिला गंगा समिति, लखनऊ द्वारा गौ घाट, गोमती नदी तट पर भव्य योग कार्यक्रम, वृक्षारोपण अभियान एवं युवा गोमती मित्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य योग के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के साथ-साथ नदी एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता को सशक्त बनाना था।

कार्यक्रम का आयोजन जोगिंदर सिंह, आईएएस, परियोजना निदेशक, राज्य स्वच्छ गंगा मिशन-उत्तर प्रदेश तथा सितांशु पाण्डेय, आईएफएस, प्रभागीय वनाधिकारी, अवध वन प्रभाग, लखनऊ के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, युवाओं, विद्यार्थियों, पर्यावरण प्रेमियों एवं गोमती संरक्षण से जुड़े स्वयंसेवकों ने सहभागिता की।

पौधों का रोपण किया गया

कार्यक्रम के प्रारंभ में "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के अंतर्गत गोमती नदी के तट पर विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण एवं हरित उत्तर प्रदेश के निर्माण के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने

तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि वृक्ष एवं नदियां मानव जीवन के आधार हैं तथा इनके संरक्षण के बिना सतत विकास की कल्पना संभव नहीं है।

यह लोग रहे मौजूद

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सौरभ वाल्मीकि, नगर उपाध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी एवं रामअवतार कनौजिया, पूर्व महामंत्री, भारतीय जनता पार्टी रहे। विशिष्ट अतिथियों में दयाशंकर पाण्डेय, मंडल अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी, प्रमोद सिंह, मंडल प्रभारी तथा ऋतेश कनौजिया, मंडल उपाध्यक्ष उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने योग एवं पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने पर बल दिया तथा गोमती नदी के संरक्षण के लिए चलाए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

इसके उपरांत अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के निर्धारित कॉमन योग प्रोटोकॉल के अनुसार सामूहिक योगाभ्यास कराया गया। योग प्रशिक्षकों द्वारा विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया गया। प्रतिभागियों को योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने तथा स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। योग सत्र के दौरान "योग फॉर हेल्दी एजिंग" की थीम के अनुरूप स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन एवं सकारात्मक जीवन दृष्टिकोण का संदेश दिया गया।

शुभकामनाएं दी

कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण गोमती नदी के संरक्षण, जन-जागरूकता, पर्यावरण शिक्षा एवं सामुदायिक सहभागिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले युवाओं को "युवा गोमती मित्र सम्मान" प्रदान करना रहा। इस अवसर पर शिवम त्रिपाठी, परेश पाण्डेय, दीपक, उत्कर्ष सिंह चौहान एवं सौम्या सिंह को सम्मानित किया गया। इन युवाओं द्वारा नदी संरक्षण, जन-जागरूकता, पर्यावरण शिक्षा, स्वच्छता अभियान तथा सामुदायिक सहभागिता के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए उन्हें भविष्य में भी समाज को प्रेरित करने के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

कार्यक्रम में राज्य स्वच्छ गंगा मिशन-उत्तर प्रदेश से सोनालिका सिंह, यूनिट हेड (उ&ड, मिथलेश मिश्रा, यूनिट हेड (ड&ढ),शैव्या सिंह एवं प्रिया अग्रवाल उपस्थित रहीं। जिला गंगा समिति, लखनऊ से शिवांग वर्मा, जिला परियोजना अधिकारी (ऊढड) सहित विभिन्न पर्यावरणविदों, शिक्षकों एवं सामाजिक कार्यकताओं ने सहभागिता की। इसके अतिरिक्त प्रकाश बाल विद्या मंदिर एवं बाल निकुंज इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने भी उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया तथा नदी एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

गंगा कथा का आयोजन

समापन सत्र में गंगा एवं भारतीय संस्कृति के अटूट संबंधों पर आधारित गंगा कथा का आयोजन किया गया, जिसमें नदियों के संरक्षण, जल संवर्धन एवं प्रकृति के प्रति दायित्वों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। तत्पश्चात सभी प्रतिभागियों को गंगा संरक्षण शपथ दिलाई गई, जिसमें स्वच्छता बनाए रखने, नदियों को प्रदूषण मुक्त रखने, जल संरक्षण करने एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों ने राज्य स्वच्छ गंगा मिशन-उत्तर प्रदेश एवं जिला गंगा समिति, लखनऊ द्वारा गोमती नदी एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए इसे जनभागीदारी आधारित अभियान के रूप में आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया।

अयोध्या में सड़क हादसे में बाराबंकी में तैनात उपनिरीक्षक सुरेंद्र प्रताप पटेलदारोगा की मौत, अंबेडकरनगर के गांव अटवाई में पसरा सन्नाटा

(जीएनएस)।

अंबेडकरनगर। बाराबंकी के असंद्रा थाने में तैनात पुलिस विभाग के उपनिरीक्षक सुरेंद्र प्रताप पटेल की मौत से उनके पैतृक गांव अहिरौली के अटवाई में मातम पसरा है। शाम को शव घर पहुंचा तो स्वजन फफक पड़े।

परिवार को सांत्वना देने के लिए शुभचिंतकों, रिश्तेदारों, आसपास के ग्रामीणों का जमावड़ा लगा है। अंतिम संस्कार अयोध्या के दिलासीगंज घाट पर किया गया। वहां पुलिसकर्मियों, स्वजन व ग्रामीणों ने नम आंखों से अंतिम विदाई दी।

शनिवार सुबह अयोध्या के रायबरेली हाईवे पर कुमारगंज के बरईपारा गांव के पास उपनिरीक्षक की बाइक सांड़ से टकरा गई। इससे घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। सुरेंद्र 2005 में आरक्षी पद पर भर्ती हुए थे। करीब दो वर्ष पहले पदोन्नति

पाकर उपनिरीक्षक बने थे। उनके एक पुत्र राज वर्मा व एक पुत्री अर्पिता उर्फ खुशी हैं।

पत्नी रिंकी देवी गृहणी हैं। बड़े भाई उदय प्रताप पटेल घर पर रहकर खेती-किसानी करते हैं। सुरेंद्र अयोध्या में मकान बनवाकर सपरिवार रहते थे। पैतृक गांव में चार-छह माह बाद आते थे। पैतृक गांव में उनकी मौत की खबर पहुंची तो परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। उनका इकलौता बेटा गुजरात के अहमदाबाद की एक दवा कंपनी में साक्षात्कार देकर सुबह ही घर पहुंचा था। जुलाई में उसकी ज्वाइनिंग है। बेटी अयोध्या में स्नातक की पढ़ाई कर रही है।

जुलाई में घर का निर्माण कराने की थी इच्छा

पैतृक गांव में गत वर्ष उन्होंने मकान बनवाना शुरू किया था। पोर्च आदि का निर्माण अभी अधूरा है। गत जनवरी में भाई उदय प्रताप से कहकर गए थे कि तैयारी पूरी रखना, जुलाई में घर निर्माण पूरा करना है। उनकी यही बात कहकर उदय प्रताप दहाड़े मारकर बेहोश हो गए। उनका बेटा राज वर्मा पिता को नौकरी की खुशखबरी नहीं बता सका। घर के निर्माण और बेटे व बेटी की धूमधाम से शादी करने का सपना पूरा नहीं हो सका।

यूपी में हीटवेव का कहर जारी, लखनऊ समेत 14 जिलों में अलर्ट, जानिए कब मिलेगी गर्मी से राहत?

(जीएनएस)।

पश्चिम उत्तर प्रदेश में शनिवार (20 जून) को बारिश होने की संभावना जताई गई है. राजधानी के सीतापुर, लखनऊ, बाराबंकी में हीटवेव की आशंका है. जिससे लोगों की परेशानी बढ़ सकती है. यूपी में हीटवेव का कहर जारी, लखनऊ समेत 14 जिलों में अलर्ट, जानिए कब मिलेगी गर्मी से राहत?

उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी का कहर जारी है. उमस और चिलचिलाती धूप ने लोगों का जीना दुश्वार कर दिया है. उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में मौसम विभाग द्वारा 23 जून से बारिश

का अलर्ट जारी किया गया है. पश्चिम उत्तर प्रदेश में शनिवार (20 जून) को बारिश होने की संभावना जताई गई है.

राजधानी के सीतापुर, लखनऊ, बाराबंकी में हीटवेव की आशंका है. जिससे लोगों की परेशानी बढ़ सकती है. इसके अलावा रामपुर, संभल, बरेली बिजनौर, अमेठी. गाजीपुर, जौनपुर, पीलीभीत, हरदोई, गोंडा, बहराइच, प्रतापगढ़, उन्नाव और प्रयागराज में भयंकर गर्मी देखने को मिलेगी.

इसके अलावा पूर्वी यूपी में 24 जून को बारिश होने का अनुमान लगाया गया है. वहीं यूपी से सटे उत्तराखंड के कई जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश की चेतावनी दी गई है. कई जगहों पर ओलावृष्टि होने का अनुमान है. फिलहाल यूपी, उत्तराखंड में बारिश का ये दौर 25 जून तक जारी रहने की संभावना है.

उत्तर प्रदेश में आज का मौसम

उत्तर प्रदेश में आज तापमान सामान्य रहने की संभावना है. सुबह 6 बजे तापमान 32 डिग्री के करीब बना हुआ है. कड़ी धूप के साथ लोगों का गर्मी से बुरा हाल रहेगा. मौसम में 58 प्रतिशत नमी रहेगी. राज्य में 8 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की उम्मीद है.

लखनऊः जमीन कम मिली तो पिता को फावड़े से मार डाला... पुलिस के सामने बोला- गुस्से में कर दिया था वार

(जीएनएस)।

लखनऊ के महिगवां इलाके में एक बेटे ने अपने पिता को बेरहमी से मार डाला. ये मामला जमीन विवाद से जुड़ा है, जिसमें बंटवारे को लेकर पिता-पुत्र के बीच विवाद हो गया था. फिलहाल पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर कार्रवाई शुरू कर दी है.

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में सनसनीखेज कहानी सामने आई है. यहां बेटे ने जमीन विवाद को लेकर अपने पिता की बेरहमी से हत्या कर दी. वारदात की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जायजा लिया. पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है.

दरअसल, यह मामला लखनऊ के महिगवां थाना क्षेत्र का है. पुलिस का कहना है कि ग्राम अतरौरा के रहने वाले विनोद कुमार उर्फ महेन्द्र का अपने पिता रामकुमार के साथ खेत में हिस्सेदारी कम मिलने और मेड़ बनाने-बिगाड़ने को लेकर विवाद हो

गया था. कहासुनी के बीच मामला हिंसक हो गया.

गुस्से में आकर विनोद ने फावड़े से पिता के सिर पर वार कर दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े. इसके बाद परिजन घायल हालत में रामकुमार को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. इसके बाद परिजनों में कोहराम मच गया. वहीं वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया.

इस वारदात के बारे में सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और जानकारी ली. मृतक की बेटी मालती देवी की तहरीर पर थाना महिगवां में बीएनएस की धारा 103(1) के तहत केस दर्ज किया गया. पुलिस टीम ने आरोपी की तलाश शुरू की. मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने बीकेटी-पहाड़पुर रोड स्थित देवरी रुखारा नहर पुलिया के पास से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया.

पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किया गया फावड़ा भी बरामद कर लिया है. पूछताछ में आरोपी ने जुर्म कबूल कर लिया है. उसने पूछताछ में पुलिस को बताया कि उसने गुस्से में आकर अपने पिता पर फावड़े से हमला कर दिया था. पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कार्रवाई शुरू कर दी है. परिजनों व आसपास के लोगों से घटना को लेकर पूछताछ की जा रही है.

यूपी में आठवें वेतन आयोग को लेकर हलचल तेज, टीम का लखनऊ दौरा अहम; कर्मचारी संगठन क्यों हुआ नाराज

(जीएनएस)।

यूपी में आठवें वेतन आयोग को लेकर हलचल तेज हो गई है। केंद्र सरकार की ओर से गठित टीम का लखनऊ दौरा 22 और 23 जून को होने वाला है।

लखनऊः केंद्र-राज्य कर्मचारियों और पेंशनर्स को किस तरह से आठवें वेतन आयोग का लाभ कब तक मिलेगा, इसको लेकर तैयारियां तेज हो

गई हैं। केंद्र सरकार की ओर से गठित 8वें वेतन आयोग की एक उच्चस्तरीय टीम 22 और 23 जून को राजधानी लखनऊ का दौरा करने जा रही है। दो दिवसीय इस दौरे के दौरान आयोग की टीम राज्य के विभिन्न कर्मचारी संगठनों, शिक्षक यूनियनों और वित्त विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मैराथन बैठकें करेगी। इस महत्वपूर्ण बैठक का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों की वित्तीय स्थिति की समीक्षा करना और उनकी मांगों एवं सुझावों पर सीधे फीडबैक लेना है।

8वें वेतन आयोग की एक उच्चस्तरीय टीम इन बैठकों के आधार पर ही अपनी रिपोर्ट देगा। इसके अनुसार केंद्रीय एवं राज्य कर्मचारियों के वेतन और पेंशनर्स की पेंशन में बढ़ोतरी की जाएगी। आमतौर पर राज्यों में दौरे के एक से दो साल के भीतर कर्मचारियों को वेतन बढ़ोतरी का लाभ मिलता है।

सरकार-कर्मचारी संगठनों के साथ मंथन

आठवें वेतन आयोग के लखनऊ दौरे में टीम राज्य सरकार के विभिन्न संगठनों से मुलाकात करेगी। इस दौरान प्रस्तुतिकरण भी टीम के सामने रखा जाएगा। इसके बाद ऑल इंडिया सर्विसेज के अधिकारियों की यूनियन के साथ बैठक की जाएगी। साथ ही पेंशनर्स के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं और समाधान पर मंथन होगा। इसके अलावा डिफेंस, राजस्व, रेलवे, स्वास्थ्य, दूरसंचार विभाग की यूनियनों के साथ भी चर्चा होगी।

वेतन विसंगतियों के मुद्दे पर चर्चा

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष हरिकिशोर तिवारी ने कहा कि राज्य कर्मचारियों के बीच वेतन विसंगतियों के कई मामले हैं। राज्य सरकार में कई ऐसे पद हैं, जो केंद्र में नहीं हैं। ऐसे में वेतन आयोग की सिफारिशें जब लागू होती है, तो वेतन विसंगतियां सामने आती हैं। अब भी बार-बार चर्चा के बाद भी वेतन विसंगतियां दूर नहीं हो पाई हैं। ऐसे में राज्य कर्मचारी संगठनों के साथ चर्चा के आठवें वेतन आयोग की टीम को बातचीत करनी चाहिए।

राज्य कर्मचारी हुए नाराज

राज्य कर्मचारियो के विभिन्न संगठन आठवें वेतन आयोग के लखनऊ दौरे पर विरोध करेंगे। इसके पीछे एक बड़ी वजह यह है कि वेतन आयोग की टीम राज्य कर्मचारियों के संगठनों से मुलाकात नहीं करेगी। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष हरिकिशोर तिवारी ने बताया कि जो टीम आ रही है, उसने कहा है कि वो सिर्फ केंद्रीय कर्मचारियों के संगठन एवं पेशनर्स से मुलाकात करेंगे। इस पर राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने विरोध जताया है।

सातवें वेतन आयोग में कितनी बढ़ी सैलरी

सातवें वेतन आयोग में केंद्रीय कर्मचारियों की सैलरी में औसतन 14.29 फीसदी की वृद्धि हुई थी। इसके अलावा, फिटमेंट फैक्टर को 2.57 गुना किया गया था, जिसके आधार पर मूल वेतन में सीधी बढ़ोतरी की गई। एंट्री लेवल कर्मचारियों का न्यूनतम वेतन 7000 से बढ़ाकर 18,000 रुपये प्रति माह किया गया था।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर रकुल प्रीत एक्ट्रेस ने हिमालयन योग गुरू के साथ कठिन योगा करके किया हैरान, कौन हैं सिद्धा अक्षर?

(जीएनएस)।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर देश-विदेश में योगा की धूम नजर आ रही है। सोशल मीडिया पर पीएम मोदी से लेकर आम इंसान तक योगा करते हुए नजर आ रहे हैं। इन सबके बीच बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने एक नया वीडियो सोशल मीडिया पर काफी सुर्खियां बटोर रहा है।

फिटनेस के प्रति बेहद सजग रहने वाली रकुल को हाल ही में प्रसिद्ध योग गुरु हिमालयन सिद्धा अक्षर के मार्गदर्शन में एक कठिन योग मुद्रा करते हुए नजर आ रही हैं। जिसके बाद एक ट्रेस रकुल प्रीत के साथ हिमालय योगा गुरु भी जमकर ट्रेंड कर रहे हैं?

दरअसल, एक्ट्रेस रकुल प्रीत योगा दिवस के मौके पर योग गुरु सिद्धा अक्षर के साथ कुछ मुश्किल योगासन करती नजर आ रही हैं। सबसे खास बात ये रही कि उन्होंने पूरे बैलेंस, फोकस और फ्लेक्सिबिलिटी के साथ इसे आसानी से कर दिखाया। यही

वजह है कि लोग उनकी फिटनेस की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

योग सिर्फ ट्रेंड नहीं, लाइफस्टाइल बन रहा है

आज के टाइम में योग सिर्फ एक एक्सरसाइज नहीं रहा, बल्कि लाइफस्टाइल बन चुका है। खासकर यंग जनरेशन अब समझ रही है कि सिर्फ जिम या डाइट से नहीं, बल्कि मेंटल हेल्थ और बॉडी बैलेंस दोनों जरूरी हैं। रकुल प्रीत जैसी सेलिब्रिटी भी इसी वजह से योग को अपने रूटीन का हिस्सा बनाती हैं।

योग डे पर 21 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का प्लान

ये पूरा सेशन ऐसे समय पर हुआ है जब पूरी दुनिया योग डे की तैयारी कर रही है। इसी बीच हिमालयन सिद्धा अक्षर एक बड़ा मिशन शुरू किया हैं। वो एक ही दिन में 21 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की कोशिश करने वाले हैं। उनका मकसद सिर्फ रिकॉर्ड बनाना नहीं, बल्कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को योग से जोड़ना है।

कौन हैं हिमालयन सिद्धा अक्षर?

हिमालयन सिद्धा अक्षर एक भारतीय योग गुरु, स्पिरिचुअल टीचर और लेखक हैं। ये योग ट्रेनिंग, वर्कशॉप और ऑनलाइन क्लासेस चलाते हैं। इनका फोकस योग को मॉडर्न लाइफस्टाइल से जोड़कर आसान तरीके से सिखाना है। बड़े-बड़े योग इवेंट्स और वर्ल्ड रिकॉर्ड्स से जुड़े रहे हैं। कई देशों में योग और वेलनेस सेशन कर चुके हैं। फिटनेस और माइंडफुलनेस को प्रमोट करते हैं

योग का असली मतलब क्या है? हिमालयन सिद्धा अक्षर के मुताबिक योग सिर्फ कठिन पोज या शरीर मोड़ने की चीज नहीं है। असल में ये सांस, माइंड और बॉडी को कंट्रोल करने का तरीका है। यानी स्ट्रेस कम करना, फोकस बढ़ाना और खुद को शांत रखना।

फिटनेस में योग क्यों जरूरी है?

हिमालयन सिद्धा अक्षर का कहना है कि सिर्फ वर्कआउट या वेट ट्रेनिंग काफी नहीं है। बॉडी को अंदर से मजबूत और फ्लेक्सिबल बनाने के लिए योग बहुत जरूरी है। इसलिए वह बिजी शूटिंग शेड्यूल के बावजूद योग को टाइम देती हैं।

सही गाइड होना क्यों जरूरी है?

हिमालयन सिद्धा अक्षर ने कहा, कई लोग बिना ट्रेनिंग के मुश्किल योगासन ट्राय करते हैं और चोट लगा लेते हैं।

इस सेशन में रकुल ने जो आसान तरीके से पोज किए, वो इसलिए संभव हुआ क्योंकि उनके साथ एक्सपीरियंस्ड गुरु थे। सही गाइडेंस होने से चीजें सेफ और आसान हो जाती हैं।

PRGI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

देश में हिंदुओं की आबादी की वृद्धि घटकर हुई 20%

पिछले वुछ समय से देश में हिदुओं की घटती हुई जनसंख्या पर काफी चिता व्यत्त की जा रही है। यही नहीं वुछ समय पूर्व इस विषय पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक श्री मोहन भागवत में चिता व्यत्त की थी, सरसंघचालक ही नहीं कई हिदू संगठनों ने भी इस विषय में अपनी चिन्ता व्यत्त की थी। इस में घटती हुई हिदू जनसंख्या के मुख्य कारणों को जानना अत्यंत आवश्यक है। घटती हुई हिदू जनसंख्या के सबसे मुख्य कारण हिदू धर्म से हो रहा धर्मातरण है, इसके अनेक कारण है जहां एक और हिदू राष्ट्र की रट लगाने वाले स्वयंभू सनातनी रोजरोज हिदू राष्ट्र स्थापना के नाम पर दलितों आदिवासियों के आरक्षण को समाप्त करने की मांग करते रहते हैं। ऐसा लगता है कि सदियों से उपेक्षित दलित और आदिवासियों को मिलने वाले 22.5% आरक्षण के कारण इन लोगों के मेरिटधारी बच्चों को बेरोजगार कर दिया है पर इन लोगों के इस तरह के दुष्प्रचार के कारण हिदू धर्म में जबरदस्त धर्मातरण हो रहा है और देश में हिदू जनसंख्या में लगातार कमी आ रही है विशेष कर आदिवासी क्षेत्रों में आदिवासी जनसंख्या बहुत तेजी से ईसाई धर्म अपना रही है। वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार भारत की वुल जनसंख्या क्या 8.02% हिस्सा बनवासी समाज का रहा है। देश के प्रमुख राज्यों में वनवासियों का हिस्सा राजस्थान में 12.6%, मध्य प्रदेश में 20.3%, छत्तीसगढ़ में 31.8% बिहार में 0.9%, झारखंड में 26.3%, उड़ीसा में 22.1%, अरुणाचल प्रदेश में 64.2%, नागालैंड में 89.1%, मणिपुर में 34.5%, मिजोरम में 94.5%, त्रिपुरा में 31.1% और मेघालय में 85.9% है। इससे स्पष्ट होता है कि आदिवासियों का एक बड़ा हिस्सा देश के पूवरेत्तर राज्यों में निवास करता है यह एक ऐतिहासिक सत्य है कि पूवरेत्तर भारत के राज्य और यहां के निवासी अंग्रेज शासन के आरंभिक काल में से ही धर्मातरण के लिए ईसाई मिशनरियों के लक्ष्य वेंद्र रहे हैं और पूवरेत्तर राज्यों में ईसाई इसी मतावलंबियों की बढ़ती हुई जनसंख्या इस बात का जीता जागता प्रमाण है। वुछ वर्ष पूर्व भारत के जनगणना आयुत्त की ओर से जारी किए गए आंकड़ों से मैं बादशाह में आई कि देश की वुल आबादी में लगभग 80.5% हिदू 13.4%, मुस्लिम वह 2.3% इन आंकड़ों से यह भी खुलासा हुआ है कि सरवन 1981 से 1991 की जनसंख्या में वृद्धि दर 22.80% की तुलना में हिदुओं की आबादी की वृद्धि घटकर 20% हो गई है जबकि ईसाइयों के मामले में उनकी 17% की वृद्धि दर 1991 से 2001 के बीच बढ़कर 22.01% हो गई है। राष्ट्रीय अलस्तर पर हिदुओं की जनसंख्या में वृद्धि दर में 2.8 परसेंट की गिरावट दर्ज की गई, वहीं ईसाइयों की जनसंख्या में 5.1% की वृद्धि दर देखी गई। वर्ष 2001 से वर्ष 2011 के बीच मुस्लिम आबादी की वृद्धि दर 0.8% दर्ज की गई। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार 1950 के बाद से मुस्लिम जनसंख्या में 43.5% की वृद्धि का दावा किया गया है जिससे एक राजनीतिक बहस चल गई थी यह वृद्धि दर धर्मातरण के कारण हुई या अवैध घुसपैठ के कारण और वर्ष 1881 के बाद के दौर में मुसलमान और ईसाइयों की जनसंख्या के अनुपात में वृद्धि एक नियमित प्रव्रिया बन गई है। वर्ष 1956 में हिदू धर्म में व्याप्त छुआछूत और रूढ़िवादिता के कारण डॉ. आंबेडकर ने अपने लाखों अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म की दीक्षा ली। यद्यापि बौद्ध धर्म भारत वर्ष में उत्पन्न हुआ वैधानिक के रूप से हिदू संस्वृति का हिस्सा है पर इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता की बौद्ध धर्म के अनुयाई अपने आप को हिदू सनातन धर्म का हिस्सा नहीं मानते। 20वीं साड़ी में भारत में ईसाइयों की जनसंख्या में वृद्धि भी भौगोलिक तौर पर खास क्षेत्र में सीमित रही अगर गहराई से विशेषण करें तो पता चलता है कि प्रादेशिक स्तर पर विशेष का देश के पूवा भागों में ईसाइयों की आबादी में परिवर्तन अप्रत्याशित है या आबादी प्रभावी रूप से ना बढ़कर धर्मातरण के कारण बनी जिसके पीछे चर्च के प्रतिष्ठान की संगठन शत्ति और हिदू धर्म की रूढ़िवादिता है हिदुओं के मत्तांतरण के लिए चर्चो का वुशल प्रबंधन, हिदू धर्म के ठेकेदारों का दलित और आदिवासियों की उपेक्षा है ब्रिटिश राज्य में इसीई मिशनरियों को जनजाति क्षेत्र में विस्तार को शासको की ओर से काफी बल मिला और ईसाइयत व्यत्तिगत आधार पर और जनजाति आधार पर जनजातियों में प्रवेश कर गई धर्म प्रचारकों पर जो प्रतिबंध था।

एसआईटी ने सीएम योगी को सौंपी शुरूआती रिपोर्ट, दावा- चंपत राय को मिल सकती है क्लीन चिट? सेवादारों को थी गबन थी जानकारी

(जीएनएस)।

राम मंदिर में दान पेटी कथित गबन मामले में बड़ी खबर आ रही है. सूत्रों से खबर आ रही है कि चंपराय को मंदिर दान चोरी मामले की जानकारी नहीं थी इसलिए उन्हें क्लीन चिट दिया जा सकता है. सूत्रों ने ही बताया कि रक्ळ ने यह माना कि सेवादारों को गबन की जानकारी थी. रक्ळ के हवाले से बताया गया है कि फाइनल रिपोर्ट आने में अभी समय लग सकता है. ऐजेंसी ने विस्तार से जांच के लिए समय मांगा है. राम मंदिर दान चोरी मामले में अब तक की ये सबसे बड़ी खबर है.

कथित चोरी मामले की जांच कर रही रक्ळ शनिवार रात अयोध्या से लखनऊ लौटी और जल्द ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को शुरूआती रिपोर्ट सौंप सकती है. रक्ळ की अगुवाई लखनऊ के डिविजनल कमिश्नर विजय विश्वास पंत कर रहे थे और इसके सदस्यों में लखनऊ रेंज के क्ळ्ळ किरण एस और वित्त विभाग के विशेष सचिव नील रतन शामिल हैं. सूत्रों ने बताया कि अयोध्या से निकलने से पहले रक्ळ ने गहन पूछताछ और दस्तावेजों की जांच का पहला दौर पूरा कर लिया. टीम सरकार को अपनी जांच के नतीजों के बारे में जानकारी दे सकती है, जिसमें मंदिर अधिकारियों, बैंक अधिकारियों और दान की गिनती और उसे संभालने में शामिल कर्मचारियों से जुटाए गए सबूत शामिल हैं.

200 किलो चांदी चोरी होने पर क्या बोले दानकर्ता?

सवाल 1. डॉ. मानवानी, अयोध्या में इस वक्त चंदे को लेकर चौतरफा विवाद और रक्ळ जांच चल रही है. इस पूरे विवाद पर एक रामभक्त और एक बड़े दान दाता के नाते आपकी पहली प्रतिक्रिया क्या है?

राजू मानवानीः देखिए जब भी कोई दान देता है तो ये सोचकर दान नहीं देता कि हमे कुछ मिले, लेकिन दान देने के बाद रसीद नहीं मिलती है या उन्हें ये नहीं बताया जाता है की 200 किलो चांदी कहाँ यूज हो रही है मंदिर के अंदर तो थोड़ा दुःख तो होता है. हमने 6 साल से इस बात पता नहीं चला की इसका कहां यूज हुआ, हमने रिमाइंडर भी भेजें, मंदिर खुलने का हमे आमंत्रण मिले, लेकिन कभी कोई रिस्पॉन्स नहीं मिला.

सवाल 2ः आपका कहना है कि राम मंदिर निर्माण के दौरान सिंधी समाज ने 200 किलो चांदी की ईंटें दान की थीं. ये कोई छोटा-मोटा दान नहीं है, करोड़ों की संपत्ति है. ये पूरा वाकया कब का है?

राजू मानवानीः ये वाक्या 26 जनवरी 2021 का है जब सभी लोग राममंदिर के लिए दान दे रहे थे, तो हम सिंधी समाज के लोगों ने भी मंदिर निर्माण में सहयोग करने का सोचा और हमलोगों ने 200 किलो चांदी की ईंटें दान में दिया.

सवाल 3ः आपने देश के सामने ये बात रखी है कि आपने ये दान सीधे श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय को सौंपा था. चंपत राय जी से आपकी क्या बातचीत हुई थी, उन्होंने उस वक्त आपसे क्या कहा था?

राजू मनवानीः चंपत राय जी और उनकी टीम के लोगों को हमने 200 किलो चांदी की ईंटें कई पेटियों में करके दिया था, हमारे सिंधी समाज के लगभग 200 लोग भी उस समय मौजूद थे, उस समय की सभी फोटोग्राफ भी मौजूद है.

सवाल 4ः डॉ. मानवानी, जब देश का आम नागरिक 100 रुपये भी दान करता है, तो वो तुरंत रसीद लेता है. आप 200 किलो चांदी दान में दीङ्क इतनी बड़ी चूक कैसे हो गई कि आपने मौके पर रसीद नहीं ली? या आपको रसीद देने से मना किया गया था?

राजू मनवानीः दान देने के बाद 2-3 बार पूछने की कोशिश की गयी कि इसका कहां यूज होगा, तो बोला गया कि पहले चेक करेंगे उसके बाद में बताया जायेगा लेकिन आजतक इसके बारे में नहीं बताया गया, ना ही हमसे संपर्क किया गया और ना ही आमंत्रण आया और ना ही कभी कहा गया की आकर दर्शन करके जाएं.

सवाल 5ः आपने करीब 5 साल पहले राम मंदिर में दान दिया था.. इन 5 सालों में क्या आपने कभी ट्रस्ट से या चंपत राय जी से दोबारा संपर्क करने की कोशिश की ? अगर बात हुई, तो वहां से क्या जवाब मिला?

राजू मनवानीः चांदी के बारे में सिर्फ इतना बताया गया था कि चांदी की जांच कर लेंगे तब बताएंगे, चंपत राय के आदमी थे जिन्होंने बोला था की जब तक जांच नहीं होती चांदी की तब तब तक नहीं बता पाएंगे, हमने लगातार संपर्क करने की कोशिश की लेकिन कभी बात नहीं हो पाई. चंपत राय से भी सीधे बात करने की कोशिश की लेकिन उनसे बात नहीं हो पायी और ना ही रिस्पॉंश नहीं मिला, ये तो अभी टीवी पर न्यूज देखकर दुःख कि हमारी चांदी का क्या हुआ, लेकिन एक बात की सैटिस्फेक्शन है योगी जी गलत नहीं होने देंगे उन्होंने रक्ळ बैठायी है. मुझे पूरा विश्वास है योगी जी मोदी जी गलत काम होने नहीं देंगे , लेकिन कमसे कम हमे पता चले हमारा दान सही जगह गया है या नहीं गया है.

सूत्रों से खबर आ रही है कि रक्ळ चंपतराय को क्लीन चिट देने जा रही है लेकिन अभी तक के जांच के बाद रक्ळ ने किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया है. विस्तार से जांच के लिए अभी समय मांगा है. यानि कि बीते 5 दिनों में जांच में रक्ळ को कई अहम सुराग हाथ लगे हैं. रक्ळ जांच को बहुत संभलकर कर रही है, ताकि इस मामले में कोई निर्दोष न फंस जाए.

क्या सवाल उठ रहे

सबसे पहला सवालः टिन्नू यादव के पास तिजौरी की चाबी रहती थी. दूसरा सवालः आखिर गोपाल राव किस हैसियत से तिजौरी की अन्य जिम्मेदारियां संभाल रहे थे.

चंपतराय को मिली क्लीन चिट

चंपतराय को नहीं थी मंदिर के दान चोरी की जानकारी. सेवादारों पर गाज गिर सकती है. हालांकि रक्ळ ने सीधे तौर पर किसी को जिम्मेदार नहीं माना है. रक्ळ के जांच में कई सवाल खड़े हो गए हैं जिनमें कहा जा रहा है कि बिना जिम्मेदारी के कई लोग अहम भूमिका निभा रहे थे.

राम मंदिर में चढ़ावे और व्यवस्था को लेकर उठे विवाद के बीच समाजवादी पार्टी के नेता पवन पांडेय ने बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा कि राम मंदिर की व्यवस्था को लेकर अंतिम फैसला राजनीतिक लोगों या सरकारी अधिकारियों को नहीं, बल्कि सनातन धर्म के शीर्ष धर्मगुरुओं और अयोध्या के संत-महंतों को करना चाहिए. पवन पांडेय ने सुझाव दिया कि देश के प्रमुख शंकराचार्यों और अयोध्या के संत-महंतों की एक बैठक बुलाई जाए. इस बैठक में जो भी निर्णय लिया जाए, राम मंदिर की पूरी व्यवस्था उसी के अनुसार संचालित हो. उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की भूमिका केवल सहयोग और निगरानी तक सीमित रहनी चाहिए. सपा नेता के मुताबिक, राम मंदिर आस्था का विषय है और इससे जुड़े फैसले धार्मिक परंपराओं तथा संत समाज की सहमति से होने चाहिए. उन्होंने कहा कि मंदिर के संचालन और प्रबंधन को लेकर वही व्यवस्था लागू की जाए, जिस पर शंकराचार्यों और अयोध्या के संत-महंतों की सहमति बने.

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की राशि को लेकर उठे सवालों की जांच के दौरान एसआईटी टीम के हाथ कई अहम जानकारियां लगी हैं. जांच में दानपात्रों की खरीद, रखरखाव और उनकी निगरानी व्यवस्था से जुड़ी गंभीर खामियां सामने आई हैं. मामले की पारदर्शी जांच के लिए पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई गई है. बताया जा रहा है कि मंदिर परिसर और मुख्य मंदिर में करीब 40 दानपात्र स्थापित हैं, जिनसे निकाली गई दानराशि को विशेष बक्सों में सुरक्षित रखकर काउंटिंग हॉल तक पहुंचाया जाता है. अब जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि व्यवस्था में कहां और कैसे लापरवाही हुई.

राम मंदिर के दान चोरी पर बोले अरविंद केजरीवाल

आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर लिखा कि अयोध्या राम मंदिर से करोड़ों की चोरी. अभी तक कोई ऋक्ष् फ्र दर्ज नहीं. इस मामले में बड़े बड़े नाम शामिल. अगर कार्यवाही हुई तो सरकार तक गिर सकती है. आखिर किसे बचाना जरूरी है सरकार को या करोड़ों लोगों के आस्था को.

अयोध्या राम मंदिर चंदे को लेकर विवाद पर विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि राम मंदिर में 65 करोड़ लोगों ने पैसा दिया था. चढ़ावे के एक-एक रुपये के हिसाब के लिए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र जवाबदेह है. इन आरोपों से देश भर में आस्था को जो चोट लगी है, मैं उसे उचित मानता हूँ. मुझे इस बात का संतोष है कि आरोप लगते ही ट्रस्ट ने मुख्यमंत्री जी से कहा इसकी रक्ळ जांच कराएं. हम चाहेंगे जांच पूरी गहराई से .हो किसी के प्रति सहानुभूति रख कर ना हो. दोषी चिन्हित होने चाहिए. उन्हें कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए चाहे वो जो भी हो. रिपोर्ट का इन्तजार करना चाहिए. बिना परिणाम के हम किसी पर कीचड़ नहीं उछालेंगे.

सूत्रों के मुताबिक, जांच में पता चला है कि कई नियुक्तियां बिना किसी पूरी स्क्रीनिंग प्रक्रिया के की गई हो सकती हैं. रक्ळ इस बात की जांच कर रही है कि प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के बाद स्टाफ की जरूरतें कैसे बढ़ीं, भर्ती के लिए क्या प्रक्रियाएं अपनाई गईं और नियुक्तियों से जुड़े रिकॉर्ड कैसे रखे गए। ट्रस्ट ऑफिस ने कई अहम दस्तावेज सौंपे हैं और अभी उनकी समीक्षा की जा रही है. किसी भी अधिकारी या कर्मचारी की भूमिका के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक नतीजा घोषित नहीं किया गया है. पयोग की जांच कर रही तीन सदस्यीय स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) ने अपनी जांच का दायरा बढ़ा दिया है. अब इसमें जनवरी 2024 में प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के बाद मंदिर में की गई नियुक्तियां, सुरक्षा इंतजाम और प्रशासनिक प्रक्रियाएं भी शामिल हैं. सूत्रों के मुताबिक, SIT अब अपनी जांच को सिर्फ.दान के पैसे के कथित गलत इस्तेमाल तक सीमित नहीं रख रही है. बल्कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अंदर भर्ती प्रक्रियाओं, रिकॉर्ड रखने के तरीकों और फैसले लेने की प्रक्रियाओं की भी जांच कर रही है. खबर है कि ट्रस्ट के अधिकारियों द्वारा की गई अलग-अलग नियुक्तियों से जुड़े दस्तावेजों की जांच की गई है. साथ ही मंदिर परिसर में तैनात सुरक्षा कर्मियों और स्टाफ सदस्यों के बारे में भी विस्तृत जानकारी मांगी गई है. अभी राम मंदिर में अलग-अलग कामों के लिए करीब 800 कर्मचारी लगे हुए हैं. इनमें से लगभग 200 को सीधे ट्रस्ट ने नियुक्त किया है. प्राइवेट एजेंसियों के कर्मचारी लॉकर सुविधा, सुरक्षा सेवा, जूता-चप्पल रखने के काउंटर और साफ-सफाई का काम संभालते हैं. यज्ञ स्थल पर तैनात वॉलंटियर और सैलरी पाने वाले स्टाफ, तीर्थयात्री सुविधा केंद्रों, सर्विस सेंटरों, पास जारी करने वाले काउंटरों और अकाउंट्स ऑफिस में काम करने वाले कर्मचारियों के साथ-साथ मंदिर के पुजारियों को भी ट्रस्ट ने ही नियुक्त किया है. राम मंदिर के चढ़ावे से हुई चोरी के सबूत एसआइटी को मिल गए हैं. टीम आज या कल में सीएम योगी प्रारंभिक रिपोर्ट सौंप सकती है. एसआइटी की टीम बीते शनिवार की रात को अयोध्या से लखनऊ के लिए रवाना हो गई थी.

राम मंदिर दान पत्र में कथित गबन मामले की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम कल देर रात अयोध्या से लखनऊ के लिए रवाना हो गई. रक्ळ आज सीएम योगी को जांच रिपोर्ट सौंप सकती है. स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम के सहयोगी लगभग 20 सदस्य अभी भी राम जन्मभूमि परिसर में मौजूद हैं. सदस्य पल-पल की जानकारी इकट्ठा कर रहे हैं और अभी भी राम मंदिर परिसर में जांच कर रहे हैं. बीते शनिवार को भी राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव से पूछताछ हुई थी. लगभग तीन घंटे तक बंद कमरे में वीडियोग्राफी के बीच पूछताछ हुई थी. सूत्रों के मुताबिक एसआईटी की जांच रिपोर्ट कुल 140 पन्नों की है. दान गबन मामले पर कई लोगों पर गिर सकती है गाज. कई सेवादारों की हो सकती है छुट्टी.

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में कथित चंदा गबन मामले को लेकर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने सपा मुखिया अखिलेश यादव के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि अखिलेश यादव और उनका परिवार राम द्रोही है. अखिलेश यादव श्री राम जन्मभूमि के मामले में कोई टिप्पणी न करें. पूरे मामले की तीन सदस्यीय एसआईटी जांच कर रही है. उन्होंने कहा है कि जांच का जो भी निष्कर्ष निकलेगा. दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

राम मंदिर मामले पर मंत्री संजय निषाद ने कहा कि धार्मिक संस्थाओं के नाम पर जनता के विश्वास के साथ खिलवाड़ व धोखाधड़ी करने पर सख्त कानून बनना चाहिए. राम मंदिर मामले में मुख्यमंत्री जी ने संज्ञान लेकर जांच शुरू कराई है. लोकतंत्र में जांच एक महत्वपूर्ण और संवैधानिक प्रक्रिया है. जांच के बाद दोषियों को सख्त सजा मिलेगी. ट्रस्ट का मतलब ही विश्वास होता है चाहे वह मंदिर हो ,मस्जिद हो या चर्च.

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर अयोध्या पहुंचे. राम की पैड़ी पर आयोजित योग कार्यक्रम में भाग लिया. कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत में राम मंदिर के कथित दान घोटाले पर कहा कि मामले की एसआईटी कर रही है जांच. दिलाया भरोसा दान की पाई-पाई का हिसाब लिया जाएगा. जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी. राठौर ने कहा कि राम मंदिर निर्माण के लिए लाखों लोगों ने संघर्ष और बलिदान दिया. उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा गंभीर विषय. मंत्री ने माना कि बैंक कर्मियों और गणना कर्मियों को गड़बड़ी करने का अवसर मिला. उन्होंने कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट को भी अधिक सजग और सतर्क रहना चाहिए था ताकि ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो. कैश-गिनती के रिकॉर्ड और बैंकिंग दस्तावेजों की भी समीक्षा की, ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (रडढ) का पालन किया गया था और क्या प्रक्रिया के किसी भी चरण में कोई हेरफेर हुई थी.

श्रीलंका के दांबुला अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में इंडिया-ए ने जीता ट्राई-सीरीज का खिताब, श्रीलंका-ए को 66 रन से हराकर दिखाया दम

(जीएनएस)।

श्रीलंका के दांबुला अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले गए ट्राई-नेशन सीरीज के हाई-स्कोरिंग फाइनल मुकाबले में इंडिया-ए ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मेजबान श्रीलंका-ए को 66 रनों से हरा दिया है। इस जीत के साथ ही भारतीय युवा ब्रिगेड ने ट्राई-सीरीज की चमचमाती ट्रॉफी पर अपना कब्जा जमा लिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए इंडिया-ए ने निर्धारित 50 ओवरों में 9 विकेट खोकर 377 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था। जवाब में बड़े लक्ष्य के दबाव के आगे श्रीलंकाई टीम बिखर गई और भारतीय गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन के सामने लक्ष्य से दूर रह गई।

इंडिया-ए ने पूरे 50 ओवर बल्लेबाजी की, लेकिन मैच का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट शुरूआती 9 ओवर रहे। 15 वर्षीय ओपनर वैभव सूर्यवंशी ने श्रीलंकाई गेंदबाजों पर ऐसा विनाशकारी हमला बोला कि भारत ने महज 8.5 ओवर में ही 132 रन बोर्ड पर टांग दिए थे। वैभव ने महज 11 गेंदों में लिस्ट-ए क्रिकेट इतिहास की सबसे तेज फिफ्टी जड़ी। वे केवल 29 गेंदों में 94 रन (10 चौके, 8 छक्के, स्ट्राइक रेट 324.13) बनाकर आउट हुए। उनके इस प्लेटफॉर्म के कारण बाकी बल्लेबाजों ने सहजता से खेलते हुए स्कोर 377 तक पहुंचाया।

कप्तान तिलक वर्मा की कप्तानी पारी

वैभव के आउट होने के बाद रनों की गति थोड़ी धीमी जरूर हुई, लेकिन कप्तान तिलक वर्मा ने एक छोर संभाले रखा। आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन कर राष्ट्रीय टीम (आयरलैंड, इंग्लैंड और एशियन गेम्स दौरे) में जगह बनाने वाले तिलक ने फाइनल की गंभीरता को समझते हुए 90 गेंदों में सूझबूझ भरी 67 रनों की पारी खेली, जिसने मिडिल ऑर्डर को बिखरने से बचाया।

विवादों के बाद बल्ले से दिया जवाब

यह टूनामेंट वैभव सूर्यवंशी के लिए खेल से ज्यादा उनके व्यवहार के कारण चर्चा में था। पिछले मैच में सुपर ओवर में मिली हार के बाद श्रीलंकाई खिलाड़ियों से उकसावे में आकर वैभव मैदान पर भिड़ गए थे और विपक्षी खिलाड़ी को धक्का दे दिया था। इस घटना के बाद उन पर काफी सवाल उठे थे। लेकिन फाइनल में उन्होंने अपनी आक्रामकता को सही दिशा में मोड़ते हुए बल्ले से करारा जवाब दिया।

गेंदबाजों ने पूरी की कसर, 66 रनों से जीता मैच

377 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका-ए की शुरूआत अच्छी नहीं रही। भारतीय तेज गेंदबाजों ने सटीक लाइन-लेंथ से मेजबान बल्लेबाजों को बांध कर रखा और नियमित अंतराल पर विकेट चटकाए। पहले 9 ओवरों में बनी मानसिक बढ़त का भारतीय स्पिनर्स ने भी पूरा फायदा उठाया और श्रीलंका-ए को मैच से पूरी तरह बाहर कर 66 रनों की शानदार खिताबी जीत सुनिश्चित की।

जाह्नवी कपूर एक्स सीएम की बहू बनने जा रही हैं श्रीदेवी की बेटी!

बॉलीवुड अभिनेत्री जाह्नवी कपूर लंबे वक्त से शिखर पहाड़िया संग अपने रिश्ते को लेकर चर्चा में हैं, हाल ही में सोशल मीडिया पर उनकी एक तस्वीर वायरल हुई है, जिसमें लिखा है कि 'अगर मैं खो जाऊं, तो प्लीज मुझे शिखर पहाड़िया के पास वापस पहुंचा दें।' जिसके बाद सोशल मीडिया पर हंगामा मच गया कि जाह्नवी और शिखर का रिश्ता अब पक्का हो गया है।

जाह्नवी कपूर का अपने प्यार को प्रदर्शित करने का यह मजाकिया और मासूम अंदाज सोशल मीडिया पर तेजी से ट्रेंड भी कर रहा है। अभिनेत्री के इस अंदाज को देखकर फैंस अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कई फैंस ने दोनों के क्यूट रिलेशनशिप की तारीफ की है तो वहीं कुछ लोग शादी की डेट भी पूछ रहे हैं।

एक प्रशंसक ने कमेंट करते हुए लिखा कि 'यह प्यार जताने का बेहद खूबसूरत और नया तरीका है', वहीं दूसरे यूजर ने लिखा कि 'दोनों जल्द ही शादी के बंधन में बंध जाएं तो अच्छा होगा।'

'शिखू' नाम का पेंडेंट पहना था

वैसे यह पहला मौका नहीं है जब जाह्नवी कपूर ने शिखर पहाड़िया के लिए अपना प्यार इस तरह सरेआम दिखाया हो। इससे पहले भी वह एक बड़े फिल्म इवेंट के दौरान अपने गले में 'शिखू' नाम का पेंडेंट पहने हुए नजर आई थीं। उस समय भी इस पेंडेंट की तस्वीरें इंटरनेट पर खूब वायरल हुई थीं।

कौन हैं शिखर पहाड़िया?

शिखर पहाड़िया के बारे में जो लोग अधिक नहीं जानते, उन्हें बता दें कि शिखर पहाड़िया एक भारतीय बिजनेसमैन और पोलो खिलाड़ी हैं। उनका जन्म 3 अप्रैल 1997 को मुंबई में हुआ था। वे भारत के पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री सुशीलकुमार शिंदे के नाती हैं। शिखर पहाड़िया के पिता का नाम संजय पहाड़िया और मां का नाम स्मृति शिंदे है, उनके भाई का नाम वीर पहाड़िया है जो कि जाने-माने बॉलीवुड अभिनेता हैं।

शिखर पहाड़िया मेरा सपोर्ट सिस्टम हैः जाह्नवी कपूर

हाल के इंटरव्यू में जाह्नवी ने शिखर को अपना "सपोर्ट सिस्टम" बताया था। उन्होंने कहा था कि 'शिखर के साथ उन्हें जज किए जाने का डर नहीं लगता और वे उनके जीवन के सबसे करीबी लोगों में से एक हैं।' मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दोनों के बीच कॉलेज के दिनों से ही दोस्ती है, जो बाद में प्यार में बदल गई। बीच में कुछ वक्त के लिए उनके अलग होने की खबरें भी आई थीं, लेकिन बाद में दोनों के बीच सब ठीक हो गया।

जाह्नवी कपूर कौन हैं?

जाह्नवी कपूर हिंदी सिनेमा की लोकप्रिय युवा अभिनेत्री हैं। उनका जन्म 6 मार्च 1997 को मुंबई में हुआ था। वह दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी और फिल्म निमार्ता बोनी कपूर की बड़ी बेटी हैं। उनकी छोटी बहन खुशी भी अभिनेत्री हैं।

फिल्म 'धड़क' से बॉलीवुड में डेब्यू किया

जाह्नवी कपूर ने साल 2018 में फिल्म 'धड़क' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही और उन्हें एक नई स्टार के रूप में पहचान मिली।

वैभव का वो अजूबा जो पहले कभी नहीं हुआ! फाइनल में हुआ करिश्मा?

(जीएनएस)।

श्रीलंका के दांबुला अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले गए ट्राई-नेशन सीरीज के फाइनल मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी (ड्डँ५ रङ्क्ष्ङ्म१८५ंल्लड्ढँ) ने अपने बल्ले से ऐसा कोहराम मचाया है, जिसने क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया है। श्रीलंका-ए के खिलाफ खिताबी मुकाबले में ओपनिंग करने उतरे इस बल्लेबाज ने श्रीलंकाई गेंदबाजों की इस बेरहमी से धुनाई की कि मैच के शुरूआती ओवरों में भारत का 'प्रोजेक्टेड स्कोर' (अनुमानित कुल स्कोर) टीवी स्क्रीन पर अविश्वसनीय रूप से 950 रन फ्लैश होने लगा।

लिस्ट-ए क्रिकेट के इतिहास का सबसे बड़ा रिकॉर्ड

दांबुला की पिच पर कदम रखते ही वैभव सूर्यवंशी ने श्रीलंकाई आक्रमण को पूरी तरह से तहस-नहस कर दिया। वैभव ने मैदान के चारों कोनों में चौके-छक्कों की बरसात करते हुए मात्र 11 गेंदों में अपनी हाफ सेंचुरी (50 रन) पूरी कर ली। यह विश्व क्रिकेट में लिस्ट-ए (घरेलू वनडे) इतिहास की अब तक की सबसे तेज फिफ्टी है। वैभव के इस आक्रामक रुख के कारण इंडिया-ए ने शुरूआती 4 ओवरों में बिना कोई विकेट खोए 76 रन बोर्ड पर टांग दिए थे, जिसमें से अकेले वैभव ने 12 गेंदों में 54 रन ठोक दिए थे। इसी विध्वंसक रन रेट को देखकर ब्रॉडकास्टर्स के ग्राफिक्स ने भारत का अनुमानित स्कोर 950 रन दिखाया था।

88 रन सिर्फ बाउंड्री से बनाए, स्लेजिंग का दिया करारा जवाब

वैभव सूर्यवंशी की यह आतिशी पारी केवल एक रिकॉर्ड नहीं थी, बल्कि इसमें उनके जुझारूपन और 'रिटैलिएशन' (जवाब देने की क्षमता) का फैक्ट भी छिपा था। दरअसल, इसी ट्राई-सीरीज के पिछले मैचों के दौरान श्रीलंकाई खिलाड़ियों और वैभव के बीच मैदान पर तीखी बहस (स्लेजिंग) हुई थी। क्रिकेट फैंस ने वैभव की इस पारी को उस बदतमीजी का बल्ले से दिया गया सबसे सटीक और कड़ा जवाब माना।

दुनिया भर में फैली बिहार के लाल की गूंज

हालांकि, वैभव अपने इस ऐतिहासिक शतक से महज 6 रन दूर रह गए और श्रीलंकाई कप्तान सहान अराचिगे की गेंद पर आउट हो गए। उन्होंने मात्र 29 गेंदों में 94 रनों की दिलकश पारी खेली, जिसमें 10 चौके और 8 गगनचुंबी छक्के शामिल थे। यानी उनके 94 रनों में से 88 रन सिर्फ चौकों और छक्कों के जरिए आए थे।

फ्रीड्ढेल्लीिं ऋङ्क्ष१ ङ्क्ष४

वैभव सूर्यवंशी के सामने झुकी श्रीलंकाई टीम, 94 पर आउट होकर जाते समय थपथपाई पीठ, लड़ाई का किया अंत

वैभव सूर्यवंशी के सामने झुकी श्रीलंकाई टीम, 94 पर आउट होकर जाते समय थपथपाई पीठ, लड़ाई का किया अंत

एक दिवसीय (50 ओवर) फॉर्मेट के मैच में 324.14 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करना किसी करिश्मे से कम नहीं है। भले ही यह युवा खिलाड़ी अपने शतक से चूक गया हो, लेकिन इस ऐतिहासिक और रिकॉर्डतोड़ पारी ने उन्हें विश्व क्रिकेट के सबसे प्रतिभाशाली और उभरते हुए युवा खिलाड़ियों की श्रेणी में सबसे आगे खड़ा कर दिया है। सोशल मीडिया से लेकर क्रिकेट के गलियारों तक, इस समय सिर्फ 15 साल के इस बिहारी लड़के के हौसले की गूंज है।

घर वापसी: लखनऊ में शबनम और हम्जा अली ने अपनाया सनातन धर्म, नाम भी बदले

उत्तर प्रदेश के बाराबंकी और गोंडा के दो मुस्लिम युवकों ने सनातन धर्म में घर वापसी कर ली। शबनम बनीं संजना और हम्जा अली बने हेमंत सिंह। विश्व हिंदू परिषद की मदद से वैदिक रीति से शुद्धिकरण के बाद दोनों ने अपना मूल धर्म अपनाया।

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के लखनऊ से घर वापसी का मामला प्रकाश में आया है, जहां दो मुस्लिमों ने सनातन धर्म अपना लिया। इसी के साथ ही इन सभी ने अपना नाम भी बदलकर हिन्दू नाम रख लिया।

क्या है पूरा मामला

मामला कुछ यूं है कि बाराबंकी की रहने वाली शबनम ने सनातन धर्म में घर वापसी कर ली और अपना नाम संजना रख लिया। वहीं गोंडा के रहने वाले हम्जा अली ने भी हिन्दू संगठनों की मदद से सनातन धर्म में घर वापसी की। उन्होंने ने भी अपना नाम बदलकर हेमंत सिंह रख लिया है।

बताया जाता है कि ये दोनों ही लंबे वक्त से अपने मूल धर्म में घर वापसी करना चाह रहे थे। इन लोगों का कहना था कि उनका मूल पहले हिन्दू ही था। लेकिन बाद में किसी कारण से इनका इस्लामिक कन्वर्जन हो गया था।

अब इन्हें अपने मूल में जाने का मन हो रहा था, जिसके तहत इन लोगों ने हिन्दू संगठन की मदद ली। इसके बाद विधिवत वैदिक परंपरा के तहत इन दोनों से पूजा अर्चना करवाई गई। साथ ही शुद्धिकरण की प्रक्रिया पूरी करने के बाद इन्हें शामिल किया गया। विश्व हिन्दू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने बताया कि संगठन उन लोगों की मदद करता है जो किसी वजह से अपने मूल धर्म में वापस आना चाहते हैं।

सनातन हेल्पलाइन की भूमिका

विश्व हिंदू रक्षा परिषद एक सनातन हेल्पलाइन चला रहा है। इसके जरिए देश के अलग-अलग राज्यों से लोग संपर्क कर रहे हैं। गोपाल राय के अनुसार इस हेल्पलाइन पर लव जिहाद और अन्य मुद्दों से प्रभावित लोग मदद मांगते हैं।उन्होंने बताया कि फिलहाल दो कथित लव जिहाद पीड़ित युवतियों से भी बातचीत चल रही है। संगठन उनकी स्थिति समझने और जरूरी मदद करने की कोशिश कर रहा है।

सीएम योगी आदित्यनाथ 23 जून को हाथरस में करेंगे जनसभा, प्रशासन ने सुरक्षा और व्यवस्था की तैयारियां तेज कीं

(जीएनएस)।

हाथरस। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 23 जून को हाथरस आ रहे हैं। वह हाथरस में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री के आगमन की खबर पाकर प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। उनकी जनसभा कराने के लिए प्रशासन ने सभास्थल के लिए जगह चिन्हित कर ली है।

मुख्यमंत्री के हाथरस आने की पुष्टि डीएम अतुल वत्स ने की है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री 23 जून को हाथरस में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। उनका विस्तृत कार्यक्रम एक-दो दिन में प्रशासन को मिलने की उम्मीद है।

जनसभा के लिए स्थान तलाश रहा प्रशासन

डीएम ने बताया कि जनसभा के लिए संभावित जनसभा स्थल की तलाश प्रशासन कर रहा है। सलेमपुर के पास जनसभा कराने को लेकर प्रशासन विचार कर रहा है। मुख्यमंत्री के आने की खबर से पुलिस और

प्रशासन में खलबली मची है। मुख्यमंत्री अधिकारियों के साथ कानून व्यवस्था को लेकर बैठक भी ले सकते हैं। प्रशासन ने मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर विकास कार्यों की बुकलेट बनाना भी शुरू कर दिया है। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री का अभी तक कार्यक्रम जनसभा का है। प्रशासन को उनके विस्तृत कार्यक्रम का इंतजार है।

डीएम ने दिए जरूरी निर्देश

शुक्रवार को जिलाधिकारी अतुल वत्स और पुलिस अधीक्षक (एसपी) चिरंजीवनाथ सिन्हा ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर जनसभा के प्रस्तावित स्थल सलेमपुर औद्योगिक क्षेत्र का बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी अतुल वत्स ने कार्यक्रम स्थल पर मंच निर्माण, हेलीपैड, वीआईपी मूवमेंट और आम जनता के बैठने की व्यवस्था को लेकर मातहतों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

कड़े सुरक्षा घेरे की रूपरेखा की तैयार

एसपी चिरंजीवनाथ सिन्हा ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए कार्यक्रम स्थल और उसके आसपास के इलाकों में कड़े सुरक्षा घेरे की रूपरेखा तैयार की। मुख्यमंत्री के दौरे को ऐतिहासिक बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी पूरी ताकत से जुट गए हैं।

यूपी-112 मुख्यालय में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 500 से अधिक पुलिसकर्मियों ने किया योगाभ्यास

(जीएनएस)।

लखनऊः 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर यूपी-112 मुख्यालय परिसर में भव्य सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। "स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है" के संदेश के साथ आयोजित इस कार्यक्रम का नेतृत्व पुलिस महानिदेशक यूपी-112 विनोद कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लेकर योग के महत्व को आत्मसात किया।

इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन आयुष मंत्रालय, भारत सरकार की गाइडलाइन और "Yoga for Healthy Ageing" थीम के अनुरूप किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को कॉमन योग प्रोटोकॉल के तहत विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास कराया गया।

योग सत्र का संचालन प्रशिक्षित योग शिक्षक डॉ. सौष्ठव शर्मा और डॉ. कल्पना सिंह ने किया। उन्होंने योग के वैज्ञानिक और स्वास्थ्य संबंधी लाभों की भी जानकारी दी।

वरिष्ठ अधिकारियों ने किया योगाभ्यास

कार्यक्रम में पुलिस महानिरीक्षक डॉ. के. एजिल रसन, पुलिस उपमहानिरीक्षक शहाब रशीद खान, पुलिस अधीक्षक निधि सोनकर, अपर

पुलिस अधीक्षक, पुलिस उपाधीक्षक समेत विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। सभी ने एक साथ योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया।

डीजी यूपी-112 ने योग शिक्षकों को किया सम्मानित

योग सत्र के सफल संचालन के बाद पुलिस महानिदेशक विनोद कुमार सिंह ने योग शिक्षक डॉ. सौष्ठव शर्मा और डॉ. कल्पना सिंह को सम्मानित किया। उन्होंने दोनों प्रशिक्षकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने में ऐसे विशेषज्ञों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

500 से अधिक प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

यूपी-112 मुख्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में लगभग 500 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। अनुशासन और उत्साह के साथ हुए सामूहिक योगाभ्यास ने पूरे परिसर को योगमय बना दिया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पुलिसकर्मियों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाना तथा तनावपूर्ण कार्यशैली के बीच उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था।

योग को बनाएं जीवनशैली : डीजी विनोद कुमार सिंह

अपने संबोधन में पुलिस महानिदेशक यूपी-112 विनोद कुमार सिंह ने कहा कि पुलिसकर्मियों के लिए शारीरिक फिटनेस और मानसिक संतुलन बेहद आवश्यक है। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से योग को केवल एक दिवस तक सीमित न रखने बल्कि इसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आ'ान किया।

उन्होंने कहा कि योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मानसिक शांति, एकाग्रता और कार्यक्षमता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। योग को अपनाकर पुलिसकर्मी जनता की सुरक्षा और सेवा को और अधिक प्रभावी ढंग से निभा सकते हैं।

यूपी में विवादित संपत्ति की बिक्री पर लगेगी लगाम, योगी सरकार देगी अब यूनिक प्रॉपर्टी आईडी

योगी सरकार संपत्ति पंजीकरण और नामांतरण को पूरी तरह डिजिटल बनाने जा रही है. हर संपत्ति को यूनिक प्रॉपर्टी आईडी और भू-आधार दिए जाएंगे. पंजीकरण होते ही स्वतः नामांतरण हो जाएगा.

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार भूमि एवं संपत्ति प्रबंधन को पूरी तरह पारदर्शी और डिजिटल बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठा रही है. फर्जी स्वामित्व, विवादित संपत्तियों की बिक्री और धोखाधड़ी पर लगाम कसने के लिए स्टाम्प एवं पंजीकरण विभाग ने व्यापक सुधारों का प्रस्ताव तैयार किया है.

सरकार की योजना है कि प्रदेश की हर ग्रामीण और शहरी संपत्ति को यूनिक प्रॉपर्टी आईडी दी जाए. इस आईडी को जीआईएस मैपिंग और स्वामित्व अभिलेखों से जोड़ा जाएगा, जिससे किसी भी संपत्ति की पूरी जानकारी एक क्लिक पर उपलब्ध हो सकेगी. ग्रामीण क्षेत्रों में घरौनी योजना और शहरी क्षेत्रों में नगर निकायों-विकास प्राधिकरणों को इसकी जिम्मेदारी सौंपी जाएगी.

पंजीकरण के साथ स्वतः होगा नामांतरण

नागरिकों को सबसे बड़ी राहत स्वतः नामांतरण व्यवस्था से मिलेगी. संपत्ति पंजीकृत होते ही नामांतरण की प्रक्रिया अपने आप शुरू हो जाएगी. इसके लिए विभिन्न विभागों के रिकॉर्ड का एकीकरण, एपीआई आधारित डेटा साझाकरण और रियल-टाइम अपडेट सिस्टम विकसित किया जाएगा. इससे लोगों को अलग-अलग दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे.

भू-आधार से जुड़ेगा हर भूमि पार्सल

केंद्र सरकार की योजनाओं के अनुरूप हर भूमि पार्सल को 'भू-आधार' (वछढक्ट) नंबर दिया जाएगा. यह जियो-रेफरेंस्ड आईडी भूमि अभिलेखों को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ेगी, जिससे रिकॉर्ड अधिक सटीक और अपडेट रहेंगे.

बिजली, पानी और संपत्ति कर रिकॉर्ड होंगे एक जगह

संपत्ति कर रजिस्टर को स्टाम्प एवं पंजीकरण, राजस्व, बिजली, पानी और सीवर विभागों के रिकॉर्ड से जोड़ा जाएगा. कॉमन प्रॉपर्टी आईडी के जरिए सभी विभागों के बीच डेटा साझा करना आसान होगा, जिससे कर संग्रहण और सेवा वितरण बेहतर होगा. पारदर्शिता और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को भी बल मिलेगा.

प्रस्तावित सुधारों से फर्जी दस्तावेजों, विवादित संपत्तियों की बिक्री और धोखाधड़ी पर प्रभावी रोक लगेगी. पंजीकरण अधिनियम 1908 में नई धाराएं 22-ए, 22-बी और 35-ए जोड़ने का प्रस्ताव है, जिससे स्वामित्व की पूर्व जांच अनिवार्य हो जाएगी. मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक में इन सुधारों पर विस्तृत चर्चा हुई.

विशेषज्ञों का मानना है कि ये बदलाव न केवल विवादों को कम करेंगे बल्कि निवेशकों का भरोसा भी बढ़ाएंगे. योगी सरकार का यह कदम 'ईज ऑफ लिविंग' और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को नई गति देगा.

सीएम दौरे को लेकर सफाई कर्मियों का वेतन रुकाःड्यूटी लगाने के बावजूद गायब रहने पर 5 सफाई कर्मियों का वेतन रोका

(जीएनएस)।

गोंडा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 19 जून को गोंडा दौरे के दौरान सफाई ड्यूटी से अनुपस्थित रहने वाले पांच सफाईकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ) ने इन सभी का वेतन रोक दिया है और उनसे स्पष्टीकरण मांगा है।जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री के दौरे के मद्देनजर गोंडा जिला पंचायत राज विभाग ने साफ-सफाई के लिए एक दिन पहले से ही सफाई कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई थी। लेकिन बंसीलाल, तारावती, मुनीष यादव, अभिमन्यु कुमार और अंबिका प्रसाद नामक पांच सफाईकर्मी

अपनी ड्यूटी पर नहीं पहुंचे।

इनकी अनुपस्थिति के कारण सीएम योगी के कार्यक्रम स्थल पर साफ-सफाई का कार्य बाधित हुआ, जिससे अधिकारियों और कर्मचारियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बाद में अन्य सफाईकर्मियों को बुलाकर यह कार्य पूरा कराया गया। गोंडा के जिला पंचायत राज अधिकारी लालजी दुबे ने बताया कि इन सफाईकर्मियों ने नियमों का उल्लंघन करते हुए घोर लापरवाही बरती है। उन्होंने कहा कि सभी पांचों सफाईकर्मियों का वेतन तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है और उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया है।

डीपीआरओ दुबे ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि निर्धारित समय में संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो इन सभी सफाईकर्मियों के खिलाफ अन्य विभागीय कार्रवाई भी की जाएगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि मुख्यमंत्री जैसे महत्वपूर्ण सरकारी कार्यक्रमों में इस तरह की लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अपर जिला पंचायत राज अधिकारी को पूरे मामले में जांच अधिकारी बनाया गया है उनके द्वारा इस पूरे प्रकरण की गंभीरता पूर्वक जांच की जा रही है।

पेरिस में उत्तराखंड के 'SUNFOX' का जलवा, पीएम मोदी-राष्ट्रपति मैक्रों ने दिखाई रूचि, को-फाउंडर ने ब्रीफ किया प्रोजेक्ट

(जीएनएस)।

देहरादूनः उत्तराखंड के लिए यह गर्व का क्षण है कि देहरादून से शुरू हुआ एक स्टार्टअप अब वैश्विक मंच पर अपनी पहचान बना रहा है. फ्रांस की राजधानी पेरिस में आयोजित दुनिया के सबसे बड़े टेक्नोलॉजी और स्टार्टअप आयोजनों में से एक 'विवाटेक 2026' में उत्तराखंड की सनफॉक्स टेक्नोलॉजी चर्चा के केंद्र में रही. खास बात यह रही कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने खुद कंपनी के स्टॉल पर पहुंचकर इसकी तकनीक को करीब से देखा और संस्थापकों से बातचीत की.

सनफॉक्स टेक्नोलॉजी के को-फाउंडर नितिन चंदोला ने बताया कि, 'विवाटेक' में हर साल किसी एक देश को 'सेंटर ऑफ अट्रैक्शन' के रूप में चुना जाता है. इस बार भारत को यह सम्मान मिला. जिसके तहत देश की 20 प्रमुख स्टार्टअप कंपनियों को अपने नवाचार दुनिया के सामने रखने का अवसर मिला. इसी दौरान पेरिस में जी-7 देशों का सम्मेलन भी आयोजित हो रहा था, जिस कारण प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी भी फ्रांस दौरे पर मौजूद थे.

प्रधानमंत्री मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने 'विवाटेक' में सनफॉक्स टेक्नोलॉजी के स्टॉल का दौरा किया. दोनों नेताओं ने कंपनी की स्वास्थ्य तकनीक और उसके सामाजिक प्रभाव को लेकर विस्तार से जानकारी ली. दोनों कंपनी के कार्यों को देखकर उत्साहित नजर आए और विशेष रूप से यह जानने में रुचि दिखाई कि यह तकनीक दूरस्थ और चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में किस प्रकार लोगों की मदद कर रही है. **-नितिन चंदोला, को-फाउंडर, सनफॉक्स टेक्नोलॉजी-**

कंपनियों की तकनीक और उनके सामाजिक प्रभाव को विस्तार से समझा.

इस दौरान सनफॉक्स टेक्नोलॉजी के संस्थापक और सीईओ रजत जैन ने प्रधानमंत्री मोदी को कंपनी की विभिन्न परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी. उन्होंने बताया कि, कंपनी पोर्टेबल ईसीजी डिवाइस विकसित करती है, जो कम संसाधनों वाले क्षेत्रों में भी हृदय रोगों की जांच को आसान बनाती है. इसके साथ ही कंपनी एक कार्डियक मैनेजमेंट सिस्टम भी संचालित कर रही है. **-रजत जैन, सीईओ, सनफॉक्स टेक्नोलॉजी-**

पीएम मोदी ने कई टेक्नोलॉजी और स्टार्टअप के कई प्रोजेक्ट्स पर रूचि दिखाई.

रजत जैन ने प्रधानमंत्री को उत्तराखंड के चारधाम यात्रा मार्गों पर चलाए जा रहे निशुल्क कार्डियक मॉनिटरिंग कार्यक्रम की भी जानकारी दी. इस पहल के तहत तीर्थयात्रियों का मुफ्त ईसीजी परीक्षण कर उनकी हृदय संबंधी स्थिति की निगरानी की जाती है. .

क्या योगी से आगे निकलने के चक्कर में फंस गए सीएम सम्राट चौधरी? जानिए कैसे गले की फांस बना भरत तिवारी एनकाउंटर

आपको याद होगा, जब बीजेपी ने पहली बार सम्राट चौधरी को प्रदेश का अध्यक्ष बनाया। सम्राट चौधरी दिल्ली से पटना लौटे तो उनके स्वागत में सीएम योगी आदित्यनाथ से तुलना करते हुए पोस्टर लगे थे। उस वक्त बिहार में महागठबंधन की सरकार थी। सीएम सम्राट चौधरी को पोस्टर में बिहार का योगी बताकर पेश किया गया था। ऐसे दर्जनों पोस्टर बीजेपी कार्यालय के आस-पास लगे थे।

(जीएनएस)।

पटनाः 'पीड़ित बच्चियों या मृतक बच्चियों की तेरहवीं से पहले अपराधी की फोटो पर माला पहना दीजिए। ऐसे मामलों में तत्काल केस दर्ज कर, तुरंत चार्जशीट दाखिल की जाए और कोर्ट के माध्यम से अपराधी को कड़ी से कड़ी सजा दिलवाई जाए।' उपरोक्त बयान सीएम सम्राट चौधरी ने डीएम-एसपी के साथ एक सीधे संवाद कार्यक्रम के दौरान दिया था। पटना के अधिवेशन भवन में 30, अप्रैल 2026 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ था। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से अपराधियों के खिलाफ एक्शन लेने की बात कही थी। उसके बाद बिहार के कई जिलों से लगातार एनकाउंटर और हाफ एनकाउंटर की खबरें आने लगीं। पुलिस को लगा कि जो जितना हाफ एनकाउंटर और एनकाउंटर करेगा। मुख्यमंत्री खुश होंगे। जानकारों का कहना है कि सम्राट चौधरी जल्दीबाजी में योगी आदित्यनाथ से आगे निकलने के चक्कर में फंस गए हैं। भरत तिवारी एनकाउंटर अब उनके गले की फांस बन गया है।

बैकफुट पर बिहार सरकार!

सम्राट चौधरी को भरत तिवारी मामले में बैकफुट पर आना पड़ा। उन्हें न्यायिक जांच के आदेश देने पड़े। वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक मामलों के जानकार ओम प्रकाश अश्क कहते हैं कि योगी के एक्शन को देखकर कई प्रदेशों में उसी स्तर की कार्रवाई करने की मांग उठने लगी थी। योगी से प्रभावित दो प्रदेशों के सीएम दिखते हैं। बिहार में सम्राट चौधरी और पश्चिम बंगाल में सुवेंदु अधिकारी।

लेकिन सुवेंदु अधिकारी ने सख्ती करते हुए आरोपियों और अपराधियों को पकड़कर जेलों में डालना शुरू किया। सुवेंदु ने नीतीश कुमार वाला रास्ता अपनाया। जैसे नीतीश कुमार ने

2005 से लेकर 2010 तक किया। सबको पकड़कर जेल में डाला और सुशासन आया। सम्राट चौधरी ने जैसा किया। उससे बिहार में स्थिति नहीं संभल रही है। सम्राट चौधरी यूपी सीएम योगी से आगे निकलने के चक्कर में धीरे- धीरे साख गंवा रहे हैं। भरत तिवारी एनकाउंटर इनके गले की फांस बनता जा रहा है।

भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर

वरिष्ठ पत्रकार अश्क कहते हैं कि जैसे सम्राट चौधरी अब बैकफुट पर आ गए हैं। न्यायिक आयोग का गठन करना पड़ा। लेकिन खुद इन्होंने पहले अपराधियों का पिंडदान कर दो और माला पहना दो जैसी बातें पुलिस के जेहन में डाली है। इसे बोलकर वाहवाही लूट रहे थे। अब ये भरत तिवारी वाले मामले में घिर गए हैं। वहीं बिहार के एक और वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक मामलों के जानकार कौशलेंद्र प्रियदर्शी कहते हैं- भरत तिवारी का एनकाउंटर सरकार के ओवर रियेक्शन का परिणाम है। उसके अलावा एनकाउंटर जैसे सबजेक्ट पर सरकार के ओवर एक्टिंग का भी परिणाम है।

आपने योगी का अनुकरण करने के चक्कर में, ऑपरेशन लंगड़ा चलाने के चक्कर में पुलिस का मनोबल इतना बढ़ गया। पुलिस ने एक मानसिक रूप से विक्षिप्त युवक को किसी डॉक्टर से दिखाने की जगह मौत की नींद सुला दिया। उसके बाद सीएम सम्राट चौधरी तक जो खबरें पहुंचीं वो भी आधी- अधूरी पहुंचीं।

एनकाउंटर से पैदा होते कुछ सवाल?

जब सरेंडर करते अपराधी के पेट में गोली लग जाए, तो पुलिस की सेल्फ डिफेंस वाली थ्योरी पर भरोसा कैसे किया जाए?

फैसला जब पुलिस के विवेक पर हो, तो इसे सिस्टम का सुधार कहें या निजी दुश्मनी और कॉन्ट्रैक्ट किलिंग का खुला रास्ता?

वाहवाही के चक्कर में ट्रिगर दबाने वाली पुलिस क्या भूल जाती है कि दांव उल्टा पड़ने पर सरकारें सबसे पहले हाथ खींच लेती हैं?

कोर्ट- कचहरी की लेटलतीफी और पैसे के खेल से जनता परेशान जरूरी है, लेकिन क्या पुलिस को 'जज और जल्लाद' बनने की छूट दी जा सकती है?

न्याय प्रणाली को दुरुस्त करने का धैर्य सरकारों में क्यों नहीं है? क्या हम भूल रहे हैं कि इस शॉर्टकट न्याय से कभी भी बेगुनाहों की जान जा सकती है?

क्या कहते हैं जानकार?

कौशलेंद्र प्रियदर्शी कहते हैं- मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी अंत- अंत तक डीजीपी की ओर से दी गई जानकारी को दोहराते रहे। दूसरे दिन फिर एनकाउंटर कैसे हो गया? ये सरकारी विफलता है। सिस्टम का फेल्योर है। पुलिस तंत्र की विफलता है। बिहार पुलिस में डीजीपी से लेकर दारोगा तक कोई सामंजस्य नहीं, जबकि वीडियो 48 घंटे पहले वायरल होता है। उसके बाद भी बड़े अधिकारी इस मामले में संज्ञान नहीं लेते हैं। इसकी पूरी जिम्मेदारी एक नाकारा एसएचओ पर छोड़ दिया गया। पूरे सरकार की भद पीट गई पूरे देश के अंदर। प्रियदर्शी ने माना कि ये बड़ी विफलता है। भरत तिवारी एनकाउंटर सिस्टम के बीच आपसी सामंजस्य की घोर कमी को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर यूपी के सीएम योगी की तरह बनने के चक्कर में सम्राट चौधरी के लिए ये मामला गले की फांस बन गया है।

एनकाउंटर का कानून बना दीजिए- पूर्व डीजीपी

वहीं बिहार के सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक मामलों पर डेफ्थ रिपोर्टिंग कर चुके लेखक और पत्रकार पुष्य मित्र सवाल करने पर सीधे बिहार के पूर्व डीजीपी अभयानंद की बातों को कोट करते हैं। पुष्य मित्र ने बताया कि ऑपरेशन लंगड़ा और एनकाउंटर जैसे सवालों पर अभयानंद ने उन्हें बताया था- एक पुलिस अधिकारी के तौर पर मैं वह हर काम करने को तैयार था जो कानूनी था। अगर कोई सरकार आज एनकाउंटर की वकालत करती है तो उसे विधानसभा में इसे पारित कर कानूनी मान्यता देनी चाहिए। ये नहीं कि आप पुलिस के मत्थे सब मढ़ दें। ऐसे में आपको जो एनकाउंटर पसंद आयेगा वह तो ठीक, जो पसंद नहीं आयेगा, उसमें पुलिस पर गाज गिरेगी। आप कानून बनाइए, हम मानने के लिए तैयार हैं। पुष्य मित्र कहते हैं कि उनकी बातों में दम था।

वरिष्ठ पत्रकार पुष्य मित्र की राय

पुष्य मित्र बिहार में एनकाउंटर की मची होड़ को थोड़ा सियासी नजरिए से भी देखते हैं। वे कहते हैं कि बिहार में भाजपा के कई नेता एनकाउंटर और बुलडोजर की योगी आदित्यनाथ की नीति के समर्थक रहे हैं। जब तक नीतीश कुमार सीएम रहे उन्होंने कभी खुलकर इस नीति का समर्थन नहीं किया। योगी से पहले कल्याण सिंह ने भी यूपी के सीएम रहते हुए एनकाउंटर को अपराध नियंत्रण की एक नीति के रूप में अपनाया। मगर नीतीश जब सीएम बने तो उन्होंने कानूनी तरीकों से अपराध नियंत्रण की वकालत की। आर्म्स एक्ट, स्पीडी ट्रायल और ऐसे दूसरे तरीकों से नीतीश के पहले कार्यकाल में अपराध नियंत्रण हुआ। इसके अगुआ अभयानंद जैसे पुलिस अधिकारी रहे। मगर पिछले दो तीन